डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक प्रयागराज से प्रकाशित हम बनेंगे आपकी आवाज

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,सोमवार 30 जनवरी,2023 वर्ष–07 / अंक–260 प्रष्ठ–08 / मूल्य–2 रूपये

कर्नाटक जीतने के लिए भाजपा ने उतारे क्षेत्रीय दिग्गज

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए भाजपा ने क्षेत्रीय नेताओं को मैदान में उतार दिया है। राज्य के अलग–अलग जातीय समूहों को साधने के लिए राज्य के क्षेत्रीय जातीय समीकरण साधने में सक्षम नेताओं की भूमिका तय कर दी गई है, तो बाहरी राज्यों से ऐसे नेताओं को बुलाया जा रहा है, जो कर्नाटक में बसे दूसरे समूहों को साधने की क्षमता रखते हैं। इनमें मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और गुजरात तक के नेता शामिल हैं।

दरअसल, कर्नाटक में बेंगलुरु देश के अलग–अलग हिस्सों से आए प्रवासियों के लिए घर बन चुका है। बेंगलुरु में अनेक परिवार ऐसे हैं, जो रोजगार की तलाश में यहां पहुंचे थे, लेकिन वे यहीं के होकर रह गए। इसमें उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात के बड़ी संख्या में लोग शामिल हैं। इन प्रवासी वोटरों को साधने के लिए भाजपा ने इन मतदाताओं के मूल राज्यों के भाजपा नेताओं को बेंगलुरु में तैनात कर दिया है।

राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया भी कर्नाटक पहुंच चुके हैं। वे रविवार को बंगलुरु में कई श्विजय संकल्पश कार्यक्रमों में शामिल होकर राजस्थानी मतदाताओं को साधने की कोशिश करेंगे। इसके बाद वे कर्नाटक के तटीय इलाकों में राजस्थानी श्रमिक प्रवासियों के बीच पहुंचकर उनको साधने का काम करेंगे। डॉ. सतीश पूनिया को गुजरात विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने राजस्थान के इलाकों से सटी 43 विधानसभाओं की जिम्मेदारी दी थी। भाजपा इनमें से 33 सीटों पर जीत हासिल करने में कामयाब रही थी।

भाजपा के एक नेता ने बताया कि उत्तर प्रदेश से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य के प्रवासी आईटी प्रोफेशनल्स और श्रमिकों को साधने के लिए यात्राएं करेंगे। उनकी जनसभाओं–कार्यक्रमों की

रणनीति बनाई जा रही है। योगी आदित्यनाथ इस समय यूपी में निवेश के लिए आयोजित किए जा रहे कई कार्यक्रम में व्यस्त हैं। इसके तुरंत बाद उनकी यात्राओं के कार्यक्रम बनाए जाएंगे। इसी तरह मध्य प्रदेश में भी इसी वर्ष चुनाव होने के बाद भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर्नाटक में जनसभाएं–कार्यक्रम करेंगे।

बीजेपी का सनातन धर्म प्रेम और राष्ट्र धर्म प्रेम महज दिखावा दृ शिवसेना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सनातन धर्म को भारत का राष्ट्रीय धर्म बताने का स्वागत करते हुए, शिवसेना ने बीजेपी पर व्यंगात्मक निशाना साधा है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा कि बीजेपी का सनातन धर्म प्रेम और राष्ट्र धर्म प्रेम महज एक दिखावा है। बीजेपी सिर्फ राजनीतिक लाभ के लिए के दोनों शब्दों का इस्तेमाल करती है। लाभ प्राप्त होते ही दोनों शब्दों से किनारा कर लेती है। आनंद दुबे ने कहा कि राम भक्तों पर गोलियां चलाने वाले मुलायम सिंह यादव को मुल्ला मुलायम कहने वाली बीजेपी यूपी चुनाव में लाभ लेने के लिए उसी मुलायम सिंह यादव को मरणोपरांत पद्म विभूषण का सम्मान देती है। वहीं दूसरी तरफ राष्ट्र प्रेम के नाम पर वीर सावरकर और हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे का बार बार नाम लेती है। परंतु उन्हें भारत रत्न देने के नाम पर चुप्पी साध लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा के इस दोहरे चरित्र को जनता समझ गई है।

येदियुरप्पा ही नहीं, भाजपा के सामने हैं ये बड़ी चुनौतियां,

इस साल मई में कर्नाटक में विधानसभा चुनाव होना है। अभी यहां भारतीय जनता पार्टी (BJP) सत्ता में है। सूबे में चुनावी माहौल अभी से बनने लगे हैं। राजनीतिक दलों ने पूरी ताकत झोंक दी है। हाल ही में राहुल गांधी ने यहां 20 दिन तक भारत जोड़ो यात्रा की। राहुल की इस यात्रा को काफी समर्थन भी मिला। यही कारण है कि अब भाजपा ने नए सिरे से यहां गणित बैठाना शुरू कर दिया है। शनिवार को गृहमंत्री अमित शाह भी यहां पहुंचे। भाजपा को पार्टी के अंदर की चुनौतियों से जुझना पड़ रहा है। मुख्यमंत्री बदलने के बाद से पार्टी में आंतरिक कलह जारी है। आइए जानते हैं यहां भाजपा के सामने कौन–कौन सी चुनौतियां हैं? कैसे भाजपा इसका सामना करने की कोशिश कर रही है?

बेस्ट डॉ सम्मान से सम्मनिति होकर अपने क्षेत्र का नाम किये रोशन डॉ अखिलेश तिवारी

भीटी ब्लाक के अंतर्गत भवानीपुर ग्रामसभा निवासी डॉक्टर अखिलेश तिवारी को आज बेस्ट डॉक्टर अवार्ड से सम्मानित किए गए । यह सम्मान राजस्थान औषधालय मुम्बई के द्वारा तिरुपति होटल अयोध्या में आयोजित किया गया था ।। डॉ तिवारी एक सामान्य परिवार से है और अपनी शिक्षा दीक्षा ग्रामीणऑचल में रह कर पुरी की और फिर क्छलै:न्ज्ञ. पूरी की तथा इस समय तिवारी जी आर.बी.यस इन्टर कालेज नगहरा गोसाईगंज अम्बेडकर नगर में प्रधानाचार्य के पद पर तैनात है व् देवांश ग्रुप आफ हायर योगा एजुकेशन अम्बेडकर नगर के प्रबन्ध है । इनके पिताजी रिटायर्ड शिक्षक है । इस सम्मान से इनके गांव घर परिवार व् हितों मित्रों बेहद खुशी का महौल है । डॉ. तिवारी ने इस सम्मान का सारा श्रेय अपने माता–पिता और गुरुजन को दिया इस सम्मान के पाने से डॉ तिवारी को लोग सोशल मीडिया व् अन्य माध्यमों से व् स्वम् मिलकर प्रसनन्नता व्यक्त कर है और ढेर सारा आशीर्वाद प्रदान कर रहे है ।।आप सदैव ऐसे ही अग्रसर होते रहे यही दी ग्राम टुडे टीम भगवान् हार्दिक प्रार्थना करता है ।।

पुलिस बनकर हफ्ता मांगने वाले दो आरोपियों को नवघर पुलिस ने किया गिरफ्तार

पुलिसवाला बनकर हफ्ता मांगने वाले 2 आरोपियों को नवघर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम सुदर्शन विभीषण खंदारे (उम्र 32 वर्ष, निवासी नवघर रोड) तथा जितेंद्र नारायण पटेल(उम्र 55 वर्ष, निवासी नायगांव पूर्व) है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को कुमारी भाविका रमेश पुरोहित (उम्र 23 वर्ष, निवासी भायंदर पूर्व) की शिकायत पर गिरफ्तार किया है। मीरा भयंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय द्वारा जारी प्रेस रिलीज के अनुसार 26 जनवरी 2023 को, शिकायतकर्ता अपनी एक सहेली और मां की सहेली के साथ अपने घर में थी। तभी दो अज्ञात लोग वहां आए ।उन लोगों ने कहा कि हम पुलिस वाले हैं। हमें शिकायत मिली है कि तुम्हारे घर में देह व्यापार चल रहा है। हम मीडिया को बुलाकर सबके सामने सोसाइटी में तुम्हारा पर्दाफाश करेंगे। दोनों ने इससे बचने के लिए शिकायतकर्ता से 5 लाख रुपए की फिरौती मांगी। काफी देर की मशक्कत के बाद दोनों 40 हजार रूपए लेकर चले गए। शिकायतकर्ता द्वारा 27 जनवरी को नवघर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच पड़ताल में जुट गई है। आखिरकार पुलिस ने दोनों आरोपियों को धर दबोचा । पुलिस ने उनके पास से हफ्ता के रूप में वसूले गए 40 हजार रुपए बरामद भी कर लिया। नवघर पुलिस को यह सफलता, परिमंडल क्रमांक 1 के पुलिस उपायुक्त जयंत बजबले और सहायक पुलिस आयुक्त डॉ शशिकांत भोसले के मार्गदर्शन तथा नवघर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक मिलिंद देसाई के निर्देशन में, पुलिस निरीक्षक सुशील कुमार शिंदे,सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश काले, पुलिस उपनिरीक्षक तुषार मालोदे, अभिजीत लांडे, पुलिस हवलदार भूषण पाटील, नवनाथ घुगे, सुरेश चव्हाण, सिपाही सूरज घुनावत, ओमकार यादव, केशव भोये तथा अमित तड़वी की टीम को मिली।

सड़क किनारे पड़ रही पाइप लाइन में लापरवाही

कन्नौज । कन्नौज सदर के पचोर कस्बे में पानी टंकी की सप्लाई के लिए डाली जा रही पाइप लाइन मे हो रही घोर लापरवाही देखने को मिल रही है। वही ठेकेदार द्वारा सड़कों को खोदकर छोड़ दिया जाता है और पाइपलाइन डालने के बाद भी उसको बंद नहीं किया जा रहा है। वही पिछले दिनों हुई बरसात से जहां लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वही जगह जगह खुली पड़ी पाइप लाइन से भी खतरा बना हुआ है। क्योंकि छुट्टा जानवर और बच्चों का गिरने का खतरा बना हुआ है। ठेकेदार को कई बार अवगत भी कराया पर इंजीनियर और ठेकेदार के कानों में जूं नहीं रेंगती है। वही पानी के लिए डाली जा रही है गांव में सप्लाई लाइन इतनी कमजोर है कि जहां अधिकतर घरों में पानी ही पहुंचना नामुमकिन हो सकता है।

मुगल गार्डन का नाम बदलने पर विपक्ष हुआ हमलावर

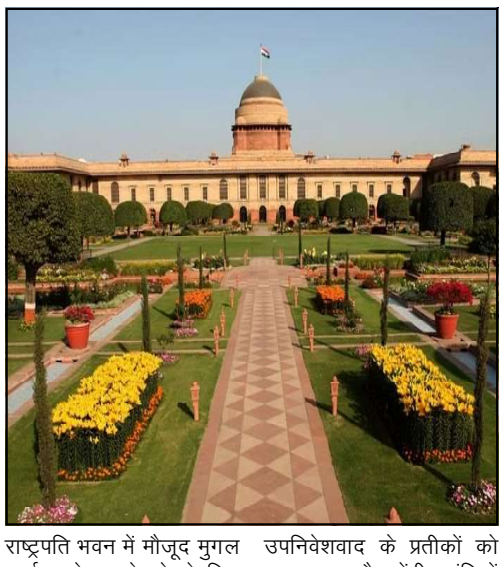

राष्ट्रपति भवन में मौजूद मुगल गार्डन को हर देखने के लिए हजारों की संख्या में लोग यहां पहुंचते हैं लेकिन मुगल गार्डन अब अमृत उद्यान के नाम से जाना जाएगा। बताया जा रहा है कि मुगल गार्डन का नाम अमृत महोत्सव के तहत बदला गया है। इसी के साथ मुगल गार्डन का नाम बदलने पर विपक्ष ने सरकार को कड़ी नसीहत दे डाली और कहा कि सरकार नाम बदलने के बजाय नौकरियां पैदा करने और महंगाई को नियंत्रित करने पर ध्यान केंद्रित करे।

भाजपा ने शनिवार को कहा कि राष्ट्रपति भवन में प्रतिष्ठित उद्यान का नाम बदलकर श्अमृत उद्यानश करना उपनिवेशवाद के प्रतीकों को खत्म करना है। केंद्रीय मंत्रियों और भाजपा नेताओं ने इस फैसले को नए भारत की दिशा में एक कदम बताया। राष्ट्रपति भवन में प्रतिष्ठित उद्यानों का नाम बदलकर श्अमृत उद्यानश करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद दिया।

हालांकि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने नाम परिवर्तन पर आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन तृणमूल कांग्रेस और भाकपा ने सरकार के इस कदम को भटकाने वाला कहा तो वहीं वाम दल ने इसे इतिहास को फिर से लिखने का प्रयास करार दिया। वहीं राज्यसभा में तृणमूल कांग्रेस के संसदीय दल के नेता डेरेक ओश्ब्रायन ने कहा कि कौन जानता है, वे अब ईडन गार्डन का नाम बदलकर इसे मोदी गार्डन कहना चाहते हैं। उन्हें नौकरियां पैदा करने, महंगाई को नियंत्रित करने और एलआईसी और एसबीआई के कीमती संसाधनों की रक्षा करने पर ध्यान देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ट्विटर पर कहा कि यह नया नाम न केवल एक औपनिवेशिक अवशेष का एक और प्रतीक है, बल्कि अमृत काल के लिए भारत की आकांक्षाओं को भी दर्शाता है। वहीं कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने एक ट्वीट में कहा कि भारत की हमारी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में प्रतिष्ठित उद्यानों का नाम बदलकर श्अमृत उद्यानश करके एक मिसाल कायम की है। साथ ही केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने फैसले का स्वागत किया, जबकि कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि मेरा देश बदल रहा है। अमृत उद्यान इस साल भी 31 जनवरी से खुलेगा। लोग यहां 12 बजे से रात नौ बजे तक यहां घूमने आ जा सकते हैं। बता दें लोग यहां ट्यूलिप और गुलाब की विभिन्न प्रजातियों के फूलों को देखने जाते हैं। सरकार ने पिछले साल दिल्ली के प्रसिद्ध राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया था।

हेलमेट नही तो पैट्रोल नहीं,आप सुरक्षित, परिवार सुरक्षित - मुनिराज ,एसएसपी डीआईजी ,अयोध्या

अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या जनपद में थाना रुदौली क्षेत्रान्तर्गत पुलिस उपमहानिरीक्षकध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, अयोध्या श्री मुनिराज जी द्वारा आर्शीवाद सर्विस स्टेशन द्वारा चलाये जा रहे सडक सुरक्षा अभियान हेतु सर्विस स्टेशन मालिक को धन्यवाद दिया गया कि यह समाज में एक अच्छी पहल है व आमजन मानस से अपील की गयी कि आप सभी स्वंय यातयात नियमों का पालक करें यह आपके और आपके परिवार के लिये बहुत जरुरी है !

मुंबई के अनेक स्थानों पर ब्लाक प्रमुख शैलेश यादव का सम्मान

मुंबई की यात्रा पर आए प्रतापपुर , प्रयागराज के युवा ब्लॉक प्रमुख शैलेश यादव का अनेक स्थानों पर सम्मान किया गया। बोरीवली पूर्व स्थित समरस फाउंडेशन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संस्था के चेयरमैन डॉ किशोर सिंह ने संस्था की तरफ से उनका सम्मान किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मानिकचंद यादव, सतीश मिश्रा, भरत पांडे, डॉ शैलेश यादव, बृजेश यादव, समाजसेवी गोविंद यादव ,छेदी तिवारी, ललित पांडे, गिरधारी यादव ,धर्मराज यादव, आचार्य जीडी शुक्ला पूरव गांधी ,भोला वर्मा ,भगत सिंह ,दीपेश मिश्रा समेत अनेक मान्यवर उपस्थित रहे। ठाकुर कंपलेक्स कांदिवली पूर्व स्थित पृथ्वी ग्रुप एंड संस कार्यालय में आयोजित भव्य कार्यक्रम में नगरसेविका सुनीता यादव ,जनार्दन यादव तथा राकेश यादव ने उपस्थित लोगों की तरफ से उनका सम्मान किया।

फैजी क्रिकेट क्लब जलालपुर ने जीता अहमद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट की विजेता ट्रॉफी,फाइनल में अब्बासिया क्रिकेट क्लब को हराया

कौशाम्बी नगर पालिका परिषद भरवारी के वार्ड नंबर 8 लियाकत अली असद दुल्लापुर रोही खरका कब्रिस्तान स्टेडियम में 15 जनवरी से शुरु हुए अहमद मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट कप का फाइनल मैच खेला गया। जिसमें फैजी क्रिकेट क्लब जलालपुर की टीम व अब्बासिया क्रिकेट क्लब मुरादपुर के बीच मैच हुआ। इसमें टॉस जीतकर अब्बासिया क्रिकेट क्लब पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया टांस चांदी के सिक्के से कराया गया जो अजय बीडी के मालिक साजिद की तरफ से दिया। फाइनल मैच 16 ओवर का खेला गया निध ारित 16 ओवरों में अब्बासिया क्रिकेट क्लब की टीम 6 विकेट गंवाकर 107 रन बना सकी। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी फैजी क्रिकेट क्लब जलालपुर की टीम 6 ओवर शेष रहते 2 विकेट गंवाकर 10 ओवरों में मैच को जीत लिया। फाइनल मैच के हीरो मंगल रहे जिन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी के साथ–साथ ताबड़तोड़ तीन लगातार छक्के लगाते हुए 65 रन बनाये और नाबाद रहे व अपनी टीम को जीत का तोहफा दिया । बेहतरीन प्रदर्शन करने पर मंगल को ष्मैन ऑफ द मैचष् का खिताब दिया गया। वही पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन बॉलिंग और बैटिंग करने पर रिंशु को ष्मैन ऑफ द टूर्नामेंटष् का खिताब मिला। फैजी क्रिकेट क्लब जलालपुर के कप्तान इसरार अहमद को विजेता शील्ड दी गयी व बीस हजार नगद कमेटी की तरफ से दिया गया ।उपविजेता टीम के कप्तान अशरफ को कैलाश चंद केसरवानी भूत पूर्व चेयरमैन व नगर पालिका परिषद भरवारी अध्यक्ष पद के संभावित उम्मीदवार की तरफ से ध्10,000 रुपये नगद व शील्ड दी गई, सभी खिलाड़ियों को टूर्नामेंट के आयोजक मोहसेदाद अहमद उर्फ बादशाह भूतपूर्व प्रधान की तरफ से पुरस्कार दिया गया। एसएन कान्वेंट स्कूल की तरफ से भी सभीध खिलाडियों को इनाम दिया गया वहीं मैच का आनंद लेने के लिए पहुंचे समाजवादी के पूर्व जिला महासचिव गुलाम हुसैन भी मौजूद रहे वह लगातार तीन छक्का मारने वाले को 2100 का इनाम की घोषणा की, घोषणा होते ही कुछ क्षण बाद मंगल ने लगातार एक ही ओवर में 3 छक्के मारकर 2100 रुपए के हकदार बने, इनामों की खूब बरसात हुई । बेस्ट ऑलराउंडर का खिताब धनंजय, बेस्ट बैट्समैन जुल्फिकार, बेस्ट बॉलर शावेज सल्लाहपुर ,बेस्ट कैच एस एनध कांवेन्ट टीम के शेखर यादव को दिया गया। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार जोया फर्नीचर मार्ट आबिद भाई की तरफ से दिया गया पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन अंपायरिंग करने पर मोहम्मद खालिद, रिजवान अहमद,मोहम्मद वासिफ उर्फ राजू,मोहम्मद शाहिद, मोहम्मद वैस को भी पुरस्कार दिया गया । टूर्नामेंट का कवरेज करने पर पत्रकार साथियों को भी सम्मानित किया गया जिसमें अरुण गुप्ता, अशोक केसरवानी, पंकज केसरवानी, रमन त्रिपाठी श्रवण पटेल, आशुतोष पासवान, मेराज मंसूर को भी सम्मानित किया गया।

वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी थाना करारी पुलिस उ0नि0 अतुल श्रीवास्तव मय हमराह पुलिस बल द्वारा एसटी नं0 1181ध्16 धारा 323ध् 504ध्506 भादवि से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त बृजेश कुमार पुत्र राम सेवक मौर्य नि0 नेवारी थाना करारी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अपराध ा एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस उ0नि0 हनुमान प्रताप सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा मु0अ0सं0 22ध्23 धारा 307ध्323ध्504ध्506ध्452 भादवि से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त जमुना प्रसाद निषाद पुत्र स्व0 राम किशोर नि0 भकन्दा थाना स0 अकिल जनपद कौशाम्बी को बकोढ़ा पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्त की निशादेही पर घटना में प्रयुक्त 01 अदद कुल्हाड़ी बरामद की गयी । विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

320 ग्राम नाजायज गांजा के साथ अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी जनपद में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना प0 शरीरा पुलिस उ0नि0 अजय कुमार यादव मय हमराह पुलिस बल द्वारा रात्रिगस्तध्वाहन चेकिंग के दौरान अभियुक्त मो0 असलम पुत्र मो0 मुस्तफा नि0 दानपुर थाना प0 शरीरा जनपद कौशाम्बी को दानपुर पेट्रोल पंप के पास से 320 ग्राम नाजायज गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 26ध्23 धारा 8ध्20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को माननीय न्यायालय भेजा गया ।

जौनपुर–औड़िहार स्पेशल ट्रेन तीन फरवरी तक निरस्त, बदले मार्ग से चलेंगी कई ट्रेनें

मुक्तिगंज–जौनपुर स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य और मुख्य संरक्षा आयुक्त के निरीक्षण के चलते कुछ ट्रेनों के मार्ग में बदलाव किया गया है। जबकि औड़िहार–जौनपुर स्पेशल ट्रेन को 31 जनवरी से तीन फरवरी तक निरस्त कर दिया गया है। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के पीआरओ अशोक कुमार ने बताया कि गोंदिया से 31 जनवरी और एक फरवरी को खुलने वाली गोंदिया–बरौनी एक्सप्रेस कैंट, वाराणसी सिटी–औड़िहार, छपरा के रास्ते चलाई जाएगी। एक फरवरी को खुलने वाली आनंद विहार टर्मिनस–बलिया स्पेशल ट्रेन बदले हुए मार्ग जंघई, कैंट और वाराणसी सिटी, औड़िहार के रास्ते जाएगी। बरौनी से दो फरवरी को चलने वाली बरौनी–गोंदिया एक्सप्रेस 120 मिनट नियंत्रित कर चलाई जाएगी। बलिया से दो फरवरी को चलने वाली बलिया–आनंद विहार टर्मिनस 120 मिनट रि–शिड्यूल कर बलिया स्टेशन से खुलेगी। अगले महीने दो स्पेशल ट्रेनें चलाएगा रेलवे ट्रेनों में भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दो स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। जिनकी शुरूआत दो फरवरी से होगी। अप–डाउन में दोनों ट्रेनें एक–एक चक्कर लगाएंगी। रेलवे ने जालंधर सिटी–बनारस और भटिंडा–बनारस स्पेशल ट्रेन चलाने की मंजूरी दी है। ट्रेन नंबर 04606 जालंधर सिटी से दो फरवरी को अपराह्न 3रू10 बजे चलेगी। बनारस तीन फरवरी को सुबह 6रू45 बजे पहुंचेगी। इस ट्रेन में 18 अनारक्षित कोच हैं।

बागेश्वर धाम मामले में केंद्रीय मंत्री तोमर बोले– राजनैतिक स्वार्थ के लिए घटिया राजनीति कर रहे लोग

विपक्ष राजनैतिक स्वार्थ के लिए धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम कर रहा है। राजनैतिक स्वार्थ के लिए घटिया राजनीति नहीं करनी चाहिए। बागेश्वर धाम धार्मिक स्थल है। आस्था के मामलों में किसी को अनावश्यक नहीं बोलना चाहिए। जनता भी सबकुछ समझ चुकी है। समय आने पर देश की जनता मुंहतोड़ जवाब देती है। उक्त बातें केंद्रीय कृषि मंत्री एवं आजमगढ़ के लोकसभा लालगंज के प्रवास प्रभारी मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कही। वो शनिवार को भाजपा के जिला कार्यालय पर मीडिया से बात कर रहे थे।

उन्होंने केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों की जमकर तारीफ की। कहा कि वर्तमान सरकार की नीतियों के चलते किसानों की आय दो से 10 गुनी हुई है। देश में खाद्यान्न का कोई संकट नहीं है। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है। महंगाई और बेरोजगारी की बात करता है। वह सच न बोलने की कसम खाए हुए हैं। इसपर उन्हें स्टडी करने की जरूरत है।

कांग्रेस से पूछा– जब सत्ता में थे कितने लोगों को दी नौकरी

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि विपक्ष भले ही सरकारी नौकरी और बेरोजगारी की बात करता है लेकिन उन्हें इसकी पूरी जानकारी नहीं है। पहले उन्हें पूरी जानकारी लेनी चाहिए। इसके बाद ही सरकार से कोई सवाल करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी सरकार थी तो घोषणा की गई थी कि प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

पूछा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में कितने लोगों को सरकारी नौकरी दी थी। प्रध ाानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौकरी देने का घोषणा किया है तो जरूर मिलेगी। हमारी सरकार अपने वादों को पूरा करती है। हमारी सरकार केवल सरकारी नौकरी पर ही फोकस नहीं करती बल्कि आत्मनिर्भर बनने पर जोर देती है। एक छोटा सा भी उद्योग लगता है तो कम से कम पांच लोगों को रोजगार मिलता है।

पाम ऑयल योजना की दी जानकारी

उन्होंने कहा कि सरकार ने खाद्य तेलों को बढ़ावा देने के लिए पाम ऑयल योजना शुरू की है। इसके तहत यहां पैदावार किया जाएगा। लक्ष्य भी निर्धारित है। मंत्री ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, फसल बीमा योजना समेत अन्य योजनाओं को गिनाया जिससे किसानों को लाभ मिल रहा है।

वहीं लालगंज लोकसभा में 2019 के चुनाव में पार्टी की हार को लेकर उन्होंने कहा कि निश्चित रूप से पार्टी हर सीट की समीक्षा करती है कि क्या कमी रह गई थी। आने वाले समय में उसकी भरपाई की जाएगी और देखा जाएगा कि कहां से क्या कमी रह गई थी। उन्होंने कहा कि अभी यहां की समस्याओं को समझा है। लोगों से बातचीत की है। एक महीने बाद यहां की स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

थाना करारी क्षेत्रान्तर्गत हुयी हत्या का अनावरण करते हुये अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया

कौशाम्बी दिनांक 24.01.2023 को रात्रि करीब 09.00 बलराम सिंह यादव पुत्र स्व0 राजाराम नि0 कुतुब आलमपुर थाना करारी जनपद कौशाम् उम्र 50 वर्ष की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी जिसके सम्बन्ध में थाना करारी पर मु0अ0सं0 16ध्23 धारा 302 भादवि बनाम सोनू यादव पुत्र शारदा प्रसाद, पप्पू पुत्र लल्लू यादव एवं एक अन्य अज्ञात पंजीकृत किया गया था । घटना की गम्भीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा टीमों का गठन कर शीघ्र सफल अनावरण हेतु निर्देशित किया गया था ।इस क्रम में विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि हत्या के मुख्य अभियुक्त सोनू यादव पुत्र शारदा प्रसाद नि0 कुतुबआलमपुर थाना करारी जनपद कौशाम्बी की बात गांव की एक युवती से होती थी, अभियुक्त द्वारा युवती के मना किये जाने के बावजूद भी बात करने का प्रयास और उसे परेशान किया जाता था, जिसका युवती के परिवार वाले विरोध करते थे । मृतक बलराम युवती के परिवार वालों के करीबियों में से थे । सोनू मृतक के गांव का ही था इसलिये उनके द्वारा सोनू को बार–बार समझाया व डांटा गया जिससे सोनू मृतक बलराम से खुन्नस रखता था । ऐसे में सोनू ने अपने अन्य साथियों गुड्डू, विनोद और मनीष उर्फ पुन्ची के साथ मिलकर मृतक बलराम को मारने की योजना बनाई । मुख्य अभियुक्त सोनू को मृतक बलराम के आने जाने के रास्ते का और समय का बखूबी पता था । दिनांक 24.01.2023 को चारों दोस्तों ने मिलकर पहले बिरयानी खायी और शराब पिया फिर साथ मिलकर बलराम को गोली मार दी जिससे मौके पर ही मृत्यु हो गयी । एसओजी टीम व थाना करारी पुलिस द्वारा सर्विलांस सेल की सहायता से घटना में शामिल 02 अभियुक्तों की गिरफ्तारी की गयी है । अभियुक्तों के कब्जे से 01 अदद तमंचा 315 बोर व 02 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया तथा निशादेही पर घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की गयी । पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा हत्या के मुख्य अभियुक्त सोनू यादव पुत्र शारदा प्रसाद की गिरफ्तारी के लिये 25,000 ध – का पुरस्कार घोषित किया गया है ।

बाटला हाउस मुठभेड़ का दोषी शहजाद की अस्पताल में मौत, आजमगढ़ से परिवार दिल्ली रवाना

आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) का सक्रिय शहजाद अहमद की शनिवार को दिल्ली के एम्स में इलाज के दौरान मौत हो गई। शहजाद अहमद साल 2008 के बाटला हाउस एनकाउंटर में दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा की हत्या करने का दोषी ठहराया गया था। वर्तमान में वह तिहाड़ जेल में बंद था और तबीयत खराब होने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शहजाद की मौत की सूचना मिलते ही परिवार के लोग दिल्ली रवाना हो गए हैं।

वर्ष 2008 में दिल्ली के बाटला हाउस मुठभेड़ में आजमगढ़ जिले के कई युवाओं का नाम सामने आया था। इनमें बिलरियागंज थाना क्षेत्र के नसीरपुर खालीसपुर गांव निवासी शहजाद अहमद भी शामिल था। बाटला हाउस में पुलिस मुठभेड़ के दौरान शहजाद मौके से भाग निकलने में सफल हो गया था। वर्ष 2010 में पुलिस ने शहजाद को उसके बिलरियागंज क्षेत्र स्थित घर से गिरफ्तार किया था।

2014 में कोर्ट ने शहजाद को शहीद इंस्पेक्टर मोहन चंद्र शर्मा के मौत मामले में दोषी करार दिया था। तब से ही शहजाद दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद था। कुछ दिनों पूर्व उसकी जेल में तबीयत खराब हुई तो जेल प्रशासन ने उसे एम्स में भर्ती कराया। जहां शनिवार को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना घर पहुंचते ही परिवार के कुछ लोग दिल्ली रवाना हो गए है। शहजाद पांच भाई–बहनों में दूसरे नंबर पर था।

बाटला हाउस मुठभेड़ की कहानी

बाटला हाउस केस (फाइल फोटो)

बाटला हाउस केस (फाइल फोटो)

13 सितंबर 2008 को दिल्ली में सीरियल बम धमाके हुए थे। ब्लास्ट में 26 लोग मारे गए थे, जबकि 133 घायल हो गए थे। दिल्ली पुलिस ने जांच में पाया था कि बम ब्लास्ट को आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिद्दीन ने अंजाम दिया था। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस को 19 सितंबर को सूचना मिली कि इंडियन मुजाहिद्दीन के आतंकी जामिया नगर के बाटला हाउस में मौजूद हैं।

दिल्ली पुलिस के इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा के नेतृत्व में टीम जब आतंकवादियों के ठिकाने पर पहुंची तो पुलिस टीम के ऊपर फायरिंग की गई। आतंकियों की ओर से चली गोली इंस्पेक्टर मोहन चंद शर्मा को गोली लगी और वे शहीद हो गए थे। मुठभेड़ में दो आतंकवादी भी मारे गए।

बाबा विश्वनाथ के धाम में गूंजा जय–जय श्रीराम, ज्ञानवापी में मां श्रृंगार गौरी का पूजन

बाबा विश्वनाथ का धाम शनिवार को राम के नाम से गुंजायमान हो उठा। 111 भूदेवों ने जैसे ही मानस पाठ आरंभ किया श्री काशी विश्वनाथ धाम राममय हो उठा। माघ शुक्ल सप्तमी पर मां श्रृंगार गौरी की पूजा की परंपरा का निर्वहन हुआ और श्री काशी सत्संग मंडल के 65वें साल श्रीराम चरित मानस नवाह्न पाठ की शुरुआत हो गई।

शनिवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में श्री काशी सत्संग मंडल की ओर से आयोजित 65वें वर्ष श्री रामचरितमानस नवाह्न पारायण ज्ञान महायज्ञ का श्रीगणेश माता श्रृंगार गौरी के दर्शन पूजन के साथ हुआ। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती महाराज और आचार्य सूर्य लाल मिश्र ने श्रृंगार गौरी का दर्शन पूजन किया।

राष्ट्रपति के मुख्य सुरक्षा अधि ाकारी ने शुरू किया महायज्ञ करीब 15 मिनट की विधिवत पूजा के दौरान श्रृंगार गौरी के प्राचीन विग्रहों को सिंदूर–चंदन लगाया गया। मंत्र पढ़े गए। इसके बाद माता को आरती भोग मिष्ठान चढ़ाया गया। इसके बाद नंदी का दर्शन पूजन और भोग आरती हुई। मंदिर परिसर की परिक्रमा के बाद रामकथा आरंभ हुई। इधर, राष्ट्रपति के मुख्य सुरक्षा अधिकारी एपी सिंह ने विश्व शांति के लिए अनवरत महायज्ञ का भी शुभारंभ किया। इस दौरान एसपी सुरक्षा सूर्यकांत त्रिपाठी, एडवोकेट देवेंद्र कुमार पाठक आदि मौजूद रहे।

स्वामी प्रसाद मौर्य का नहीं है कोई ईमान–धर्म

ज्ञानवापी में मां श्रृंगार गौरी का पूजन

श्रृंगार गौरी की पूजा के पूर्व बातचीत के दौरान अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने श्रीरामचरित मानस पर विवादित बयान देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को आड़े हाथ लिया। कहा कि ऐसे लोगों का कोई ईमान–धर्म नहीं होता।

एक बनारसी कहावत है कोढ़िया डेरवावे देहिया पर थूक देब... ऐसे डराने और थूकने वालों से फर्क नहीं पड़ता। जो खुद का विध ाानसभा चुनाव नहीं जीत सकता, उसे हम नेता कैसे मानें। कल तक वह योगी आदित्यनाथ के चरणों में थे। उसके बाद अखिलेश यादव के पास गए और इसके पहले वह मायावती के कृपापात्र थे।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक
और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।
अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

मन की बात को यमुनापार के बीस मंडलो के 812 बूथो पर कार्यकर्ताओ ने सुनी

29 जनवरी 2023 प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से देश को सम्बोधित किए।

97 एपिसोड़ में ष्मन की बात कार्यक्रम को यमुनापार के बीस मंडल के साथ 812 बूथो पर कार्यक्रम आयोजित हुए। बसबार प्राथमिक विधालय के बूथ सख्यां 74 में जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती ने मन की बात सुनकर शिक्षक एमएलसी चुनाव के साथ लोकसभा मे पुनः मोदी सरकार बनाने की अपील की।

वही जसरा पांडर के बूथ सख्यां 104 पर मुख्य अतिथि मन की बात के जिला संयोजक व भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी के साथ दर्जनो ग्रामीण कार्यकर्ताओ और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम सुना। मंडल अध्यक्ष जसरा जगत नारायण शुक्ला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

'मन की बात में जहाँ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर से दक्षिण तक और पूर्व से पश्चिम तक, देश–भर में त्योहारों की चर्चा की। गणतन्त्र दिवस समारोह की हो रही प्रशंसा व जैसलमेर से पुल्कित व कानपुर से जया के पत्रो मे गणतंत्र दिवस परेड में शामिल झांकियों में भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं, आदिवासी समुदाय के कई लोगों के पद्म पुरस्कार की चर्चा के साथ कहा भारत लोक तंत्र की जननी है, लोकतंत्र हमारी रगों में बसता है।

जसरा में मन की बात सुनने के बाद बूथ समितियों के कार्यकर्ताओं संग बैठक करने के बाद मुख्य वक्ता जिला कार्यक्रम संयोजक दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के लिए प्रेरणादायी व देश को मजबूती देने वाला है। अब हमारे देश में ही नही बल्कि विदेशों में भी ष्मन की बातष् की लोकप्रियता चरम पर पहुंच लोगों को कुछ देश समाज के लिए कर गुजरने की प्रेरणा देती है। दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात मे कोई राजनीतिक चर्चाएं नही करते केवल जन–जन को देश के विकास में सहभागी बनाने का प्रेरणा देते है। मंडल अध्यक्ष जगत शुक्ला ने सभी का आभार जताते हुए कहा मोदी की प्रेरणा देश को विश्वगुरु बनाने की ओर प्रेरित कार्यक्रम है। कार्यक्रम में अनूसूचित मोर्चा जिला मंत्री व ग्राम प्रधान जसरा आशीष सोनकर,अनूसूचित मोर्चा मंडल अध्यक्ष जसरा ग्राम प्रधान पाड़र सुरेन्द्र सोनकर, अतुल गुप्ता,एसके द्विवेदी, संतोष,आशू त्रिपाठी,ओम प्रकाश शर्मा, कमलेश कुमार, अनिल कुमार,ननकऊ तिवारी, सुनील त्रिपाठी, संतोष गौतम, कमलेश गौतम,शिवम तिवारी, वेदप्रकाश शर्मा, अनूप त्रिपाठी,राम केसरवानी,दीप चंद्र गुप्ता आदि रहे।

पुलिस लाइन प्रयागराज स्थित त्रिवेणी सभागार में आयोजित की गयी कार्यशाला

किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम व कोटपा (सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण) अधिनियम पर की गयी चर्चा

पुलिस लाइन प्रयागराज स्थित त्रिवेणी सभागार में अपर पुलिस उपायुक्त, अपराध की अध्यक्षता में बाल संरक्षण व कोटपा अधिनियम 2003 पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015, पॉक्सो अधिनियम 2012 व कोटपा (सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण) अधिनियम 2003 पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई

इन कानूनों के क्रियान्वयन में पुलिस की भूमिका को रेखांकित किया गया।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए अपर पुलिस उपायुक्त, अपराध द्वारा बताया गया कि भारत की आबादी का लगभग 39ः बच्चे हैं, जिनकी कम उम्र और अपरिपक्व मस्तिष्क के कारण विशेष देखभाल और सुरक्षा की आवश्यकता होती है उनके पास कुछ विशेष कानूनी अधिकार हैं जिन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार किया गया हैस धरातल पर कानून के क्रियान्वयन हेतु पुलिस एक महत्वपूर्ण स्टेकहोल्डर है जो देखरेख व संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के रेस्क्यू, बचाव व पुनर्वास आदि कार्यों में प्रथम उत्तरदाई अथवा सहयोगी के रूप में कार्य करती है। विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों को बाल सहायक वातावरण देने अथवा उनके वैधानिक अधिकारों की रक्षा करने में भी पुलिस की अहम भूमिका है स देखरेख एवं संरक्षण वाले बच्चों को 24 घंटे के अंदर बाल कल्याण समिति के समक्ष एवं कानून का उल्लंघन करने वाले बालकों को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत करने सम्बन्धी प्रावधानों के सम्बन्धा में पुलिस कर्मियों को अवगत कराया गयास

विशेषज्ञों द्वारा पुलिस कर्मियों को किया गया प्रशिक्षित

कार्यशाला के मुख्य वक्ता रुप में डिविजनल टेक्निकल रिसोर्स पर्सन यूनिसेफ श्री शैलेश प्रताप सिंह, अध्यक्ष बाल कल्याण समिति डॉ0 अखिलेश कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज कार्यालय से डॉ0 शैलेश कुमार मौर्य के अतिरिक्त जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय, स्वास्थ्य विभाग, श्रम विभाग, श्रम विभाग, जीआरपीध्आरपीएफ चाइल्ड लाइन, प्रिमरोज शिक्षा संस्थान, अल कौसर सोसाइटी से आये विशेषज्ञों द्वारा किशोर न्याय अधिनियम, पॉक्सो अधिनियम व कोटपा (सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद नियंत्रण) अधिनियम के महत्वपूर्ण प्रावधानों के सम्बन्ध में पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया।

थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों, मिशन शक्ति, महिला सहायता प्रकोष्ठ, एसजेपीयू, एएचटीयू, महिला हेल्प डेस्क, जन शिकायत प्रकोष्ठ के पुलिस कर्मी कार्यशाला में सम्मिलित रहे। उक्त कार्यशाला में पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज के समस्त थानों से आये बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों, मिशन शक्ति, महिला सहायता प्रकोष्ठ, एसजेपीयू, एएचटीयू, महिला हेल्प डेस्क, जन शिकायत प्रकोष्ठ में नियुक्त पुलिस कर्मियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जिलाधिकारी ने इलाहाबाद झांसी खंड शिक्षक निर्वाचन 2023 को सकुशल संपन्न कराने के लिए पोलिंग पार्टियों को किया रवाना

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री ने रविवार को संगम सभागार से इलाहाबाद–झांसी खंड शिक्षक निर्वाचन–2023 के मतदान को सकुशल संपन्न कराए जाने हेतु ड्यूटी पर लगाए गए अधिकारियोंध कर्मचारियों को उनके मतदान केंद्रों पर रवाना किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री हर्ष देव पांडे सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

थाना फाफामऊ पुलिस टीम द्वारा 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 20 शीशी विन्डीज लाईम अवैध देशी शराब बरामद

थाना फाफामऊ पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तों 1.शमसेर पुत्र शंकर लाल भारतीया निवासी मातादीन का पुरा थाना फाफामऊ प्रयागराज व 2.भगवान दास यादव पुत्र स्व0 शिवपाल यादव निवासी मातादीन का पूरा थाना फाफामऊ जनपद प्रयागराज को गोहरी रेलवे फाटक के पास से गिरफ्तार कर कब्जे से 20 शीशी विन्डीज लाईम अवैध देशी शराब बरामद की गयी। उक्त गिरफ्तारीध बरामदगी के सम्बन्ध में थाना फाफामऊ में मु0अ0सं0 25ध्23 धारा 60 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। गिरफ्तार अभियुक्त–1. शमसेर पुत्र शंकर लाल भारतीया निवासी मातादीन का पुरा थाना फाफामऊ प्रयागराज उम्र 40 वर्ष 2. भगवान दास यादव पुत्र स्व0 शिवपाल यादव निवासी मातादीन का पूरा थाना फाफामऊ जनपद प्रयागराज उम्र 46 वर्ष बरामदगी–20 शीशी विन्डीज लाईम अवैध देशी शराब पंजीकृत अभियोग–मु0अ0सं0 25ध्23 धारा 60 आबकारी अधिनियम थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराजगिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम–1. उ0नि0 विनय कुमार यादव थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज 2.हे0का0 सूर्य नारायण कुशवाहा थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज 3.हे0का0 अखिलेश कुमार थाना फाफामऊ कमिश्नरेट प्रयागराज

प्रधानमंत्री मन की बात सभा हुई संपन्न

प्रयागराज थरवई प्रधानमंत्री मन की बात आदमपुर उर्फ उपरौड़ा बहरिया ब्लाक प्रमुख के द्वारा सभा का आयोजन जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात लैपटॉप साउंड के माध्यम से दर्शकों के बीच दिखाया गया यह कार्यक्रम 1 घंटा के लिए रखा गया जिसमें 50 से ज्यादा लोग उपस्थित रहे भाजपा मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र प्रताप सिंह मंडल मंत्री शिवम मिश्रा संजय मौर्य पिंटू मिश्रा सोनू सिंह कमल राज साहू आदि लोग उपस्थित।

पुलिस आयुक्त प्रयागराज द्वारा जारी किया गया आदेश

शासन द्वारा प्रयागराज में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू किये जाने के पश्चात शस्त्र लाइसेन्स की प्रक्रिया में परिवर्तन किया गया है। पुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा द्वारा दिनांक 28.01.2023 को आदेश निर्गत कर नवीन शस्त्र आवेदन, सीमा विस्तार, सत्यापन, क्रय–विक्रय, शस्त्र समर्पण, पता परिवर्तन, शस्त्र लाइसेन्स नवीनीकरण व शस्त्र लाइसेन्स निरस्तीकरण के सम्बन्ध में कार्यवाही हेतु सम्बन्धित डीसीपी को प्राधिकृत किया गया है। अब तीनों डीसीपी अपने–अपने क्षेत्र के लिए शस्त्र लाइसेन्स की संस्तुति करेंगे।1. नवीन शस्त्र आवेदन, सीमा विस्तार, सत्यापन, क्रय–विक्रय, शस्त्र समर्पण, पता परिवर्तन के सम्बन्ध में कार्यवाहीजिलाधिकारी कार्यालयसंबंधित पुलिस उपायुक्त (क्ब्ब्) कार्यालय (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन)संबंधित थाना (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन)डी0सी0आर0बी0संबंधित सहायक पुलिस आयुक्त (।ब्ब्) कार्यालय (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन)संबंधित पुलिस उपायुक्त (क्ब्ब्) कार्यालय (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन)जिलाधिकारी कार्यालय प्रक्रियाजिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त नवीन शस्त्र आवेदन पत्रों को सम्बन्धित पुलिस उपायुक्त (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन) कार्यालय में प्राप्त किया जायेगा। सम्बन्धित पुलिस उपायुक्त आवेदन पत्र को अग्रेत्तर कार्यावाही हेतु सम्बन्धित थानों को प्रेषित करेंगे। सम्बन्धित थाना अपनी आख्या सुस्पष्ट टिप्पणी के साथ निर्धारित समयावधि में डीसीआरबी को प्रोषित करेगा। डीसीआरबी द्वारा अपनी टिप्पणीध्आख्या के साथ आवेदन पत्र को सम्बन्धित सहायक पुलिस आयुक्त को प्रेषित किया जायेगा। सहायक पुलिस आयुक्त द्वारा परीक्षण के उपरान्त अपनी सुस्पष्ट आख्या के साथ आवेदन पत्र को सम्बन्धित पुलिस उपायुक्त (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन) को प्रेषित किया जायेगा। तत्पश्चात सम्बन्धित पुलिस उपायुक्त (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन) द्वारा समस्त आख्याओं का भली–भांति परिशीलनध्परीक्षण करने के उपरान्त अपनी सुस्पष्ट आख्या अंकित करते हुए आवेदन पत्रों को निर्धारित समयावधि में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में प्रेषित किया जायेगा।2. शस्त्र लाइसेन्स नवीनीकरण के सम्बन्ध में कार्यवाहीसम्बन्धित मजिस्ट्रेट कार्यालयसम्बन्धित थाना (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन)जिला मजिस्ट्रेट कार्यालयप्रक्रिया शस्त्र लाइसेन्स निरस्तीकरण के सम्बन्ध में सम्बन्धित थाना प्रभारी अपनी सुस्पष्ट आख्या सम्बन्धित सहायक पुलिस आयुक्त को प्रेषित करेंगे। सहायक पुलिस आयुक्त अपनी सुस्पष्ट टिप्पणी अंकित करते हुए आख्या को सम्बन्धित पुलिस उपायुक्त (नगरध्गंगानगरध्यमुनानगर जोन) को प्रेषित करेंगे। सम्बन्धित पुलिस उपायुक्त प्राप्त आख्या का भली–भांति परिशीलनध्परीक्षण कर शस्त्र लाइसेन्स निरस्त किये जाने के सम्बन्ध में अपनी सुस्पष्ट आख्या जिला मजिस्ट्रेट को प्रेषित करेंगे।थानाध्डीसीआरबीध्सहायक पुलिस आयुक्तध्पुलिस उपायुक्त अपने–अपने कार्यालय में शस्त्र लाइसेन्स सम्बन्धी समस्त कार्यवाही का अभिलेखीकरण करेंगेपुलिस आयुक्त प्रयागराज रमित शर्मा द्वारा सभी थानाध्डीसीआरबीध्सहायक पुलिस आयुक्तध्पुलिस उपायुक्त को निर्देशित किया गया है कि नवीन शस्त्र आवेदन, सीमा विस्तार, सत्यापन, क्रय–विक्रय, शस्त्र समर्पण, पता परिवर्तन, शस्त्र लाइसेन्स नवीनीकरण व शस्त्र लाइसेन्स निरस्तीकरण के सम्बन्धा में अपने–अपने कार्यालय में पंजिका बनाकर समस्त सूचनाओं का अभिलेखीकरण करना सुनिश्चित करेंगे।

ग्राम सचिवालय बरसेड़ा में लगा बिजली बिल का कैंप

प्रयागराज बहरिया

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बिजली चोरी के रोकथाम एवं बकायेदारों की बिल जमा करवाने हेतु ग्राम सचिवालय बकसेड़ा सिकंदरा में एसडीओ अमन सिंह जेई रवि शंकर के द्वारा कैंप लगाकर ऑनलाइन बिजली बिल जमा करवाने हेतु कैंप लगाया गया वही लाइनमैन संविदा कर्मी आदि लोग मौजूद रहे।

शासन की अनदेखी से मंदिर का मिट रहा है अस्तित्व, मन्दिर तक पहुच मार्ग भी नही

प्रयागराज। हमारी धार्मिक धरोहर शेषावतार बलदाऊ जी का सैकड़ो वर्ष प्राचीनतम मंदिर नागवासुकी के उत्तर दिशा में मोक्षदायिनी माँ गंगा तट पर ओम गायत्री नगर सलोरी मुहल्ले में स्थित है। आज शासन की अनदेखी के कारण प्रयागराज की धार्मिक भूमि पर अपनी पहिचान खोता जा रहा है। यह आने जाने के लिए सड़के भी नही है। 2019 के कुम्भ मेले के दौरान प्रयागराज की पहिचान कई मंदिरों का जीर्णोद्धार कराया गया , परन्तु शेषावतार बलदाऊ जी मन्दिर को अनदेखा कर दिया गया। मानव कल्याण संघ के अध्यक्ष पण्डित राजकुमार शुक्ल द्वारा मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री से माग की गई थी। आज तक अनादिकाल से विराजमान तीर्थ प्रयागराज के सातवें तीर्थनायक भगवान शेषावतार बलदाऊ मंदिर का जीर्णोद्धार नहीं कराया जा सका । जबकि यह मंदिर परिसर कुंभ मेला क्षेत्र में आता है। प्रयाग रेलवे स्टेशन के पास पॉलिटेक्निक कालेज व मिलिट्री छावनी के बीच चांदपुर सलोरी मोहल्ले में स्थित यह मंदिर, अपने जीर्णोद्धार की आस लगाये भक्तो की तरफ देख रहै है । देश विदेश में गूगल पर इस मंदिर को दर्शाया है । विकिपीडिया में इस मंदिर को तो दर्शाता है परंतु तीर्थ नायक भगवान बलदाऊ जी के विषय मे कुछ भो नही दर्शाता है। यह विचार मानव कल्याण संघ के अध्यक्ष के सलोरी आवास पर आयोजित ष्शेषावतार बलदाऊ जी मन्दिर जीर्णोद्धार ष्विषयक विचार गोष्ठी मेंदेवेन्द्र कुमार शर्मा , सचिव वसेरा ने मुख्य विचारक के रूप में व्यक्त किया । उन्होंने बताया कि मन्दिर जीर्णोद्धार तथा पहिचान के लिये जनसंपर्क करके 1001 लोगो के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री तथा मुख्यमंत्री जी को भेजा जायेगा। यह निर्णय लिया गया कि मार्च महीने में तीन दिवसीय ष् शेषावतार बलदाऊ जी ष् महोत्सव आयोजित किया जाय। मानव कल्याण संघ प्रयागराज के अध्यक्ष पंडित राजकुमार शुक्ल ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा समय समय पर मंदिर में विभिन्नआयोजन कराया जाता है। प्रयागराज शहर के चांदपुर में शेषावतार बलदाऊ का मंदिर , इन दिनों देखभाल के अभाव में इस मंदिर में पूजन–अर्चन को आने वाले भक्तों को परेशानी होती है । मंदिर के आसपास साफ–सफाई की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। मंदिर के जीर्णोद्धार कराने और सफाई व्यवस्था को सुनिश्चित कराने के लिए मानव कल्याण संघ आगे आया है। संघ द्वारा मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम केशव मौर्य, नगर विकास मंत्री और पर्यटन एवं सांस्कृति मंत्री को भी पत्र भेजकर मंदिर के जीर्णोद्धार की गुहार पिछले कुम्भ में लगाई थी ।

ललिता शास्त्री स्नेही सेवा संस्थान महिला समूह की बैठक संपन्न

प्रयागराज 29 जनवरी,2023 ।महिलाओं को अपने हुनर को स्वयं पहचानना होगा और अपना उद्यम लगाकर लोगों को रोजगार देने का संकल्प लेना होगा यह बातें उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री व शहर पश्चिमी विधायक मा0 सिद्धार्थ नाथ सिंह ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी प्रशिक्षण केंद्र मंदर,भगवतपुर, प्रयागराज में ललिता शास्त्री स्नेही सेवा संस्थान की महिलाओं समूहों को संबोधित करते हुए कहीं।

पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने महिला समूह के साथ बैठकर महिलाओं के मन की बात को सुना। महिलाओं ने बताया कि हम उद्यम लगाना चाहते हैं उद्यम के जरिए कई महिलाओं को रोजगार देकर जीवन में खुशहाली लाने का संकल्प है ।हम महिलाओं को मार्गदर्शन और सहायता चाहिए जिससे हम अपने जीवन को बदल सकें ।सिलाई करने,पापड़ बनाने,आलू का चिप्स,डेयरी उद्योग, मसाला, वाशिंग पाउडर बनाने आदि क्षेत्रों में उद्यम स्थापित करने की बातें महिलाओं ने अपनी बातें कहीं ।साथ ही पैकेजिंग और मार्केटिंग भी करने में आगे हिस्सा बनने को तैयार है ।इस कार्य में महिलाओं को बड़ी कठिनाइयां है ।बाजार में बेचने का प्रतिस्पर्धा है जहाँ हम महिलाओं के हाथों से निर्मित वस्तुओं को अच्छा वेंडर नहीं मिल पाता है ।शिवानी शर्मा ने कहा चप्पल उद्योग मैंने आगे बढ़कर बैंक से लोन लेकर व्यापार शुरू किया मगर प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे है। आपके सहयोग के बिना हम महिलाएं सफल नहीं हो सकती है।

पूर्व मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि हम कठिनाइयों का समाधान करेंगे ।महिलाएं एक मॉडल बनाकर कार्य करें,सिर्फ हिम्मत और धैर्य संयम की आवश्यकता है ।गुजरात के आनंद गांव में 20 महिलाओं ने दूध संग्रह कर बेचने का कार्य शुरू किया था आज अमूल दूध के नाम से पूरे भारत में बिक रहा है। विश्वास और भरोसा रखें केवल आगे बढ़ने की आवश्यकता है ।महिलाएं समूह में एकजुट होकर एक लक्ष्य बनाकर चले तो उत्तर प्रदेश सरकार हर संभव सहायता के लिए कृतसंकल्पित है ।महिलाएं आत्मबल के जरिए कुटीर उद्योगों में क्रांति ला सकती है ।सहायक उद्योग अधिकारी अमित शुक्ल ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा चल रही योजनाओं से रूबरू कराया और कहा कि सरकार आपके द्वार पर खड़ी है बैंक भी उद्यमियों की मदद के लिए तैयार है।

इस मौके ललिता शास्त्री स्नेही सेवा संस्थान के अध्यक्ष डॉ नीता सिंह,भाजपा कोषाध्यक्ष राम लोचन साहू, सोनी रखमानी, विवेक दुबे, बीएमएम आराधना पाण्डेय,बीएमएम मोहम्मद जावेद,प्रधान श्रीप्रकाश तिवारी, पूर्व प्रधान रंजीव सिंह पटेल, प्रीति रविदास,गुड्डी सिंह,शिवानी शर्मा, सरोज भारतीया,मीरा भारतीया, अनिता देवी,माया देवी,कमला पटेल, नीलम पटेल,संगीता कुशवाहा, मीडिया प्रभारी दिनेश तिवारी आदि उपस्थित रहें।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

सर झुकाते हैं..

देश के वीरों तुम्हारे सामने नतमस्त हम हैं
दे दी आहूति तन की जिसने दिव्य है पावन अमर है
सरहदों पर जब भी छाई युद्ध की काली घटाएं
अग्नि के आगे तुम्हारी नमन करता दिवाकर है !
आस्मां भी घुटनों पे आ जिनके समक्ष नतमस्त होता,
और दिशा मदमस्त हों जिनको विजय के हार डाले,
सर झुकाते हैं उन्हें जिनकी अदम्य शौर्य गाथा,
मांएं सुना बच्चों को देश पे कुर्बान होना हैं सिखाएं !!

देखकर लिपटा हुआ तुमको तिरंगे में पिता ने,
सह लिया हर दर्द हंसकर ना कोई आंसू बहाए,
घुट्टी में ही देशभक्ति जिसने पिलाई अपने हाथों,
गोद में रख चूमती माथा वो सीने को फुलाए,
सर झुकाता हूं मैं बचपन की सभी उन लोरियों को,
स्वप्न में भी हृदय में जो देशभक्ति ही जगाएं !
सर झुकाते हैं ....
इस आस में कि आओगे राखी पे तुम बहना से मिलने
रेशमी धागों की हाथों से वो राखी बुन रही है
पर उलझ ना जाए हाथों में वो धागे तोड़ दी थी,
सरहदों पे जबसे है तनाव वो ये सुन रही है।
अनुज को जिस कांधे पे बैठा के मेला था घुमाया
वो ही गौरव उठा कुल का कांधे पे वादा निभाए !!
सर झुकाते हैं ....
वो मौहब्बत जो शुरू से ही तुम्हारी थी दीवानी
अग्निशिखा में लोहड़ी की ली थी कसमें सो निभानी,
जानती थी प्रेम पहला उसका दूजा है तुम्हारा,
दे दी विदा आंचल समेटे जीती जागती इक निशानी,
धन्य है उर्मिला इस युग की जो कर्त्तव्य पथ पर
कुटुंब के दायित्व को पूजा समझकर जो निभाए !
सर झुकाते हैं ....
मां भारती पर जब भी नजरें कोई दहशतगर्द उठाए,
जिंदा ना जाए यहां से चाहे कितने कसाब आए,
मृत्यु की आंखों में आंखें डालकर हम देखते हैं,
किसकी जुर्रत इस धरा पर इक अंश भी कब्जा जमाए !
कश्मीर से कन्याकुमारी तक अभिन्न है एक भारत,
संभव हुआ है सैनिकों ने शीष जब इस हेतु कटाए !!

मोदी का भारत

कोशिश रह गई, गलतियों की खुमारी में।
सारी जनता डूब गई, कोरोना की बीमारी में ।।
धरा खतरे की घंटी बजा रही, भूगोल के अंधियारे में ।
चीन खड़ा है मधु– कैटभ बन, वैश्विकता के गलियारे में ।।
उत्तर में, भूधर की छाती पर। चढ़कर गुर्राये, काश्मीर की घाटी पर
हंता और कोरोना से, दुनिया को श्मशान बनाया ।
पाक ने भेजा टी डी दल, वो भी भारी कोहराम मचाया ।।
गिर का बब्बर शेर गरजता, इस दिल्ली की माटी पर।
पल भर में खींच खड्ग, चढ़ जाता दुश्मन की छाती पर।।
दुश्मन चाहे पाक हो या चाइना, अब संघर्ष विराम करो।
सुन लो चाहे दुश्मन हो या साथी, अब हर पल श्रीराम करो।।
जाति– पात का मरम न देख, जगती के रणधीर वंश है।
भारत माता के वीर सपूत, शिवाजी– राणा के वंशज हैं।।
जैसे क्षण भर में चेतक, मार कुलांचे करता था भूतल पानी को
वैसे ही यह देसी छोरा, बंद करेगा दुश्मन की मनमानी को ।।
हम वंशज है रणबांकुरे के, रण से न कभी पीछे हटते ।
पर पूर्वजों से एक सुनी कथा, रण में न कभी लड्डू मिलते।।
जो है विस्तारवाद का समर्थक, उसको भी मुंह की खानी होगी
है ष्हरिष धरा में वीर सपूत, उनकी जवानी न रवानी होगी।।
हरिओम शारदोम द्विवेदी (भूगोल शिक्षक) सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश।

शिवजी के पसीने से उत्पन्न हुई थीं नर्मदा, इनके दर्शन मात्र से मिलता है गंगा स्नान के बराबर पुण्य

मुझे नर्मदा एक मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की की तरह दिखाई देती है, जिसके पास ग्लेशियर की पैतृक संपत्ति नहीं है। फिर भी वो जिंदगी की राह पर आगे बढ़ती है, जो पत्थर, पहाड़ उसे रोकते हैं, उन्हें तोड़कर अपना रास्ता बना लेती है। वहीं जो धाराएं, झरने, वन, वृक्ष उसका साथ देते हैं, उनसे दोस्ती निभाते हुए बढ़ती चली जाती है।मध्यप्रदेश को सुफलाम और गुजरात को सुजलाम बनाने वाली नर्मदा नदी की जयंती आज नर्मदा के सभी घाटों पर धूमधाम से मनाई जा रही है। कहते हैं कि माघ मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को नर्मदा का धरती पर अवतरण हुआ था, इसलिए इस दिन को नर्मदा जयंती या नर्मदा प्राकट्य दिवस के रूप में मनाया जाता है।नर्मदा के धरती पर आगमन को लेकर कई कथाएं और मान्यताएं प्रचलित हैं। एक प्रचलित मान्यता के अनुसार नर्मदा शिव की पुत्री हैं, जिन्हें अविनाशी होने के वरदान के साथ स्वयं भगवान शिव ने धरती पर भेजा था।एक अन्य मान्यता के अनुसार अमरकंटक की पहाड़ी पर ध्यान में लीन भगवान शंकर के पसीने की बूंदों से नर्मदा नदी का जन्म हुआ। एक तीसरी कहानी है, जिसके अनुसार राजा पुरूरव ने अपने पूर्वजों को मोक्ष दिलाने के लिए भगवान शंकर की तपस्या की। पुरूरव की तपस्या के प्रसन्न होकर जब भगवान ने वरदान मांगने के लिए कहा तो राजा ने नर्मदा को धरती पर भेजने का वरदान मांग लिया। भगवान शंकर के निर्देश पर नर्मदा स्वर्ग से धरती पर उतर गईं। यही कारण है कि नर्मदा को शंकरी नदी भी कहा जाता है।मध्यप्रदेश और गुजरात की सीमा पर बसे आदिवासी अंचलों में नर्मदा को मोठी माई यानी बड़ी मां के नाम से पुकारा जाता है। मध्यप्रदेश के लोकजीवन में नर्मदा पर रचे गए अनेक लोकगीत प्रचलित हैं। नर्मदा के उद्गम से लेकर सागर के संगम तक के सफर को जानने के बाद मेरा मन नर्मदा के लिए एक अलग ही कहानी बुनता है।मुझे नर्मदा एक मध्यमवर्गीय परिवार की लड़की की तरह दिखाई देती है, जिसके पास ग्लेशियर की पैतृक संपत्ति नहीं है। फिर भी वो जिंदगी की राह पर आगे बढ़ती है, जो पत्थर, पहाड़ उसे रोकते हैं, उन्हें तोड़कर अपना रास्ता बना लेती है। वहीं जो धाराएं, झरने, वन, वृक्ष उसका साथ देते हैं, उनसे दोस्ती निभाते हुए बढ़ती चली जाती है।भारत की ज्यादातर विशाल नदियों से नर्मदा की यात्रा एकदम अलग है।

तंज - तानां बनाम प्रशंसा

प्रशंसा, निंदा और तानों को सहज भाव में लेना मंजिल तक पहुंचने का मंत्र – यह तीनों ही क्षणिक प्रतिक्रिया मात्र

तानों तंज के जरिए ईर्ष्या, द्वेष या परपीड़ा में खुशी ढूंढने वालों की उपेक्षा करें तो वे खुद अवसादग्रस्त हो जाएंगे – एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया –

मानवीय स्वभाव की यह एक स्वाभाविक विशेषता रही है कि हम दूसरों की प्रतिक्रिया पर अत्यधिक निर्भर रहते हैं, यही हमारी आधुनिक डिजिटल युग में कमजोरी ज्ञात पड़ती है क्योंकि आज के प्रतियोगिता युग में अपने प्रतिद्वंदी को शाब्दिक पटखनी देने के लिए तानों तंज जैसे मजबूत कानूनी शेड प्राप्त हथियार और कोई नहीं है क्योंकि तानों और तंज से बिना किसी का नाम लिए शाब्दिक बाण छोड़े जाते हैं और तीर ठीक निशाने पर लगा और लक्षित व्यक्ति या पार्टी अवसाद में आई तो लक्ष्य भेदी व्यक्ति का मिशन सफल हो गया समझो!! और ताना या तंज ग्रहण करने वाले हम अवसाद में आ जाएंगे याने नुकसान हमें ही होगा। तानों, तंज की धमाचौकड़ी राजनीतिक व्यापारिक व्यवसायिक सामाजिक घरेलू और व्यक्तिगत स्तरपर भी खूब प्रचलित होते जा रही है क्योंकि इसमें नतो कोई टैक्स है और न ही कोई कानूनी झमेला!! बस कर दिया! हालांकि आजकल हम मीडिया के माध्यम से राजनीतिक क्षेत्र में इसका उपयोग, प्रयोग होते हुए अधिक देख रहे हैं इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से तानों तंज पर चर्चा कर उसका मुकाबला करने पर विचार करेंगे।

साथियों बात अगर हम तानां मारने या तंज कसने की परिभाषा की करें तो, ताना मारना या तंज कस नें का मतलब होता है उल्टी बात या ऐसी बात बोलना जिससे सुनने वाले को बुरा लगे. जब कोई किसी का उपहास उड़ाता है तब वह तंज कसता है। जब कोई किसी को पसन्द नही करता है या उससे जलता है । तो इस तरह से उस व्यक्ति को अपने आप से निचा दिखाने के लिए या उसे दुखी करने या चिडाने के लिए कुछ ऐसी वैसी बात कह देते है जो स्पष्ट रूप से अर्थ प्रकट घ्घ्घनही करती है फिर भी उसका अर्थ चिडाने या दुखी करने जैसे कार्यो के लिए निकलता है । घ्घ्घइस तरह की बात करने को व्यंग्य करना कहा जाता है । और इसी तरह से जब कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति के लिए किसी भी कारण से व्यंग्य करता है तो इसे ताना मारना कहा जाता है। व्यंग्य एक ऐसी विधा है जिसमें बातें कटाक्ष और हास्य का पुट लिये इशारों–इशारों में होती हैं। गजल और शायरी इशारों की ही विधा है। किसी घटना पर रचनात्मक इशारा करना एक विधा है, लेकिन शायरी में व्यंग्य बड़े तरीके से किया गया है। साथियों बात अगर हम तंज कसने के नमूनों की करें तो, महान रचनाकर्ताओं नें खूब लिखा है, लीडरों की धूम है और फॉलोवर कोई नहीं, सब तो जेनरेल हैं यहाँ आखघ्रि सिपाही कौन है, कोई हिन्दू कोई मुस्लिम कोई ईसाई है सब ने इंसान न बनने की कसम खाई है , कोट और पतलून जब पहना तो मिस्टर बन गया, जब कोई तकघ्रीर की जलसे में लीडर बन गया , कब उन आँखों का सामना न हुआ, तीर जिन का कभी खघ्ता न हुआ, 56 इंच चौड़ा सीना, 15 लाख बैंक खाते में जमा करना इत्यादि।

साथियों बात अगर हम मानवीय स्वभाव की करें तो, यह एक बहुत ही स्वभाविक विशेषता है मानवीय स्वभाव की, की हम दूसरों की प्रतिक्रिया पर निर्भर रहते है, अगर कोई हमारी प्रशंसा करता है तो, हम जिस बात के लिए हमारी प्रशंसा की है, उसको दोहराते है, जैसे कि किसी ने हमें सुंदर कहा तो, हम एक बार जरूर प्रशंसा करने वाले की नजरों से आइने में देखते है, क्योंकि हम किसी की भी प्रशंसा को सच मानते है , और उसे देख कर या वैसा व्यवहार कर सत्यापित करते है। ठीक यही व्यवहार हम किसी के नकारात्मक व्यवहार के संदर्भ मैं भी करते है। कोई हमारी निंदा करे या ताने मारे या कटाक्ष करे तो हम तुरंत ही प्रतिक्रिया देते है, या तो गुस्से में जवाब दे कर या विवाद कर के, लेकिन कई लोग अपने प्रति नकारात्मक प्रतिक्रिया का जवाब नहीं दे पाते है वे लोग अपना आत्म विश्वास खो कर अवसादग्रस्त हो जाते है।

साथियों इन सब से निपटने के लिए सबसे जरूरी है, हम कठपुतली न बने , प्रशंसा व निंदा दोनो को ही सहज भाव में ले , ये दोनो ही क्षणीक प्रतिक्रिया मात्र होती है। अगर हम दूसरों के व्यवहार से आहत होते है और यह बात जो हमको परेशान करना चाहते है , ताने मारते है तो हम उनके लिए खघ्श होने के अवसर मुहेया करवा रहे है। हम उनकी मर्जी और राय से जी रहे है। अगर कोई बार बार इस तरह का व्यवहार कर रहा है तो यह जरूर जानने की कोशिश करना चाहिए, कि आखघ्रि वो हमसे इस तरह का व्यवहार क्यों कर रहा है, ईर्ष्या , द्वेष या परपीड़ा में खघ्शी ढूँढने का स्वभाव तो नहीं है , तो हम उन्हें खघ्श होने का मोकघ न दें , खघ्द ही विश्लेषण करें, और जहाँ तक हो सके ऐसे लोगों की उपेक्षा करे , और उनकी किसी भी बात को महत्व न दे, हमारे इस तरह के व्यवहार से शायद कुछ दिनो बाद ताने मारने वाले लोग खघ्द अवसादग्रस्त हो जाएंगे।

साथियों बात अगर हम उनके तानों के घेरे में आकर उन्हें बल देने की करें तो, जब हमने लोगों से तारीफें सुनकर अपने आप को गौरवान्वित और सुखी महसूस किया था, तभी हमने अपने जीवन की बागडोर उन्हें सौंप दी थी। हम उनके गुलाम हो गए। वे जब चाहें हमारी भर्त्सना करके हमें दुखी कर सकते हैं। हम अपने मालिक न रहे। वे पर्वत शिखर पर उठा सकते हैं तो फिर गहरी खाई में भी पटक सकते हैं। अहंकार दूसरों के ओपीनियन पर निर्भर करता है। इसलिये अभिमानी व्यक्ति सदैव चिंतित रहता है कि दूसरे मेरे बारे में क्या कहते हैं? क्या सोचते हैं? आपस में लोग मेरे विषय में पीठ पीछे क्या चर्चा करते हैं? मान–सम्मान देने वाले कहीं अपमान न करने लगें! साथियों किसी ने यदि मुझे सुंदर कह दिया तो मैंने स्वयं को सुंदर मान लिया। किसी ने यदि मुझे बुद्धिमान कह दिया तो मैंने स्वयं को बुद्धिमान मान लिया। यह सब मान्यता का खेल है। इसमें कुछ यथार्थ नहीं है। अतः डर लगा ही रहता है कि कोई अपना वक्तव्य न बदल दे। कहीं दोस्त दुश्मन न बन जाये, प्रसंशक निंदक न बन जाये। वरना अवसाद की गर्त में मूर्ति जा गिरेगी। हमने कभी खुद को प्रेम नहीं किया। स्वयं से लगाव और आत्म–सम्मान कहां से होगा? अभी तो हम आत्मा को जानते ही नहीं। अपनी चेतना को पहचानते ही नहीं। हम खुद को सिर्फ तन–मन के रूप समझते हैं, चेतन–तत्व स्वरूप नहीं समझते। चेतना आत्मा है, जो इस आधारभूत सत्य को जान लेता है, वह दूसरों के मंतव्यों के पार चला जाता है। उसे दूसरों से पूछने की जरूरत नहीं कि मैं कैसा हूं? कि मैं क्या हूं? परोक्ष ज्ञान की आवश्यकता न रहीं। अब वह प्रत्यक्ष स्वयं को पहचानता है। अहम् ब्रह्मास्मि!

साथियों ऐसा व्यक्ति अपने परमात्म–स्वरूप होने के आनंद में जीता है। उसकी आंतरिक शाश्वत शांति में बाहरी दुनिया की कोई निंदा–आलोचना प्रभाव नहीं डालती। वह संसार में अलिप्त ऐसे जीता है जैसे जल में कमलः मान–अपमान के पार। न वह अभिमान से उत्तेजित होता, न कभी अवसाद ग्रस्त होता। उसे जीने की ठोस बुनियाद मिल गई,आत्म सत्ता, जो सच्चिदानंद स्वरूप है। जो किसी का मंतव्य नहीं, ध्यान में अनुभव किया गया सत्य है। आत्म–बोध प्राप्ति के बिना अवसाद से बचना असंभव है। कोई इस गड्ढे में कल गिरा था, कोई आज गिर रहा है तो कोई कल गिरेगा। बड़े बड़े सिकंदर और हिटलर भी न बच सके। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ तानों, तंज से मुकाबला करें। प्रशंसा निंदा और तानों को सहज भाव में लेना मंजिल तक पहुंचने का मंत्र है, क्योंकि यह तीनों ही क्षणिक प्रतिक्रिया मात्र हैं। तानों के जरिए ईर्ष्या द्वेष या परपीड़ा में खुशी ढूंढने वालों की उपेक्षा करें तो वे खुद ही अवसादग्रस्त हो जाएंगे।

लोग क्या कहेंगे में उलझे लोग

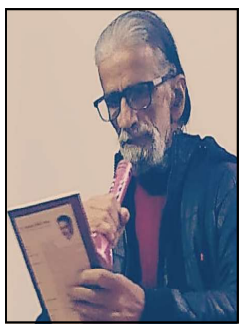

आज एक बहुत बड़ी समश्या यह है कि

कुछ भी कारों एक डर लगता हैं सभी को सही तो कर रहा हूँ नहीं तो लोग क्या कहेगे यह बात मेरी समझ में केवल यही तक उचित है कि हम क्या कोई गलत कार्य कर रहे है कोई। नशा , या कोई गलत कर्म या कोई गलत कार्य जो समाज, देश और परिवार के लिए उचित नहीं है तब तक तो यह बात सार्थक लगती हैं कि लोग क्या कहेगे पर में देखता है ये सब करते कोई भी नहीं सोचता कि लोग क्या कहेगे उसे जो करना है वो करेगा

पाने वाला शराब पियेग, सिगरेट पीने वाला सिगरेट पियेगा , गलत कार्य करने वाले लोग भी जो करना है करेगे ही ऐसे लोगों को लोग क्या कहेगे से कोई लेना देना नहीं। होता यह है कि

शादी में, या किसी की मृत्यु मे या अन्य कोई भी कार्य घर के हो आदि में अक्सर लोग अपनी औकात से अधिक खर्च करते है कुछ लोग बस यही वजह से कि लोग क्या सोचेंग और कुछ बड़ा कहलाने अहम् पाले न जाने कितना खर्च कर डालते है फिर सालों तक कर्ज उतरने मे लगा देते है।

पता नही कब मुक्त होगा इस गलत मानसिकता से ये लोग जो कितना समय धन सब कुछ व्यर्थ मे लोग क्या कहेगे के चक्कर में खर्च कर जीवन को यूँ ही बिता देते है बिना कुछ किये सार्थक कार्य के , पता नही लोग क्या कहेगे की गुलामी से कब मुक्त होंगे ये लोग दुःख तो इस बात का है कि अच्छे अच्छे पड़े लिखे लोग इस बीमारी के शिकार है कि लोग क्या कहेगा, समाज क्या कहेगा, रिश्तेदार क्या कहेगे आदि आदि के चचकर मेंउलझे लोग भगवान इन्हें अक्ल देसदबुधति दे वरना ये सिलसिला चलता रहेगा और लोग क्या कहेगे मे डूबा ये अधिकांश लोग समाज युँ ही धन से, समय से बर्बाद होता रहेगा

डॉ राम शंकर चन्चल
झाबुआ मध्य प्रदेश

सर्वप्रिये चारुतर वसन्ते

अंबेडकरनगर –

महाकवि कालिदास द्वारा वसंत महिमा को जिसतरह से वर्णित करते हुए उल्लिखित किया गया है औरकि श्रीमद्भगवद्गीता में प्रभु श्रीकृष्ण ने ष्ऋतुनां कुसुमाकराष कहते हुए जिस प्रकार स्वयम को ऋतुओं में कुसुमाकर अर्थात वसंत कहा है,उससे वसंत की श्रेष्ठता स्वयम प्रमाणित होती है।किंतु वसंत की विशेष महिमा ज्ञान और नाद की अधिष्ठात्री देवी वाग्देवी सरस्वती जी के प्राकट्य के चलते अतिविशिष्ट हो जाता है।

विद्वानों के अनुसारष्वसिष शब्द का धातुरूप में प्रयोग अज्ञान के अर्थ में होता है।कहीं कहीं माघ के पर्याय रूप में भी अज्ञान या तमस का प्रयोग प्राप्त होता है।किंतु वसि अर्थात माघ अर्थात अज्ञान के इस महीने की शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को प्राणियों में चेतना और वाणी स्वरूपा नाद की देवी का सरस स्वरूप में प्राकट्य ही अज्ञान का अन्तकारी होता है।इसप्रकार कहा जा सकता है कि–

वससि चर्चा अज्ञानार्थे अपि भवति।तस्य(अज्ञानस्य)एव अंतरूइति कथ्यते वसंतरू।

सत्वगुण से युक्त प्राणियों में मधुर मधुमास की स्वामिनी देवी सरस्वती जी ही प्राणियों में काम और रति की भावना को भी जागृत करती हैं।

इसदिन निष्काम भाव से सरस्वती जी की उपासना से सभी प्रकार की रिद्धि सिद्धि की प्राप्ति होती है।विद्या प्राप्ति, नवीन गृह प्रवेश,उपनयन,विवाह आदि शुभकार्यों हेतु यह दिन विशेष फलदायी है। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ,अयोध्यामण्डल,(माध यमिक संवर्ग) इस पवित्र तिथि पर समस्त स्वजनों,आत्मिक विद्वतजनों सहित विद्वान शिक्षाधिकारियों,शिक्षकों,विदुषी शिक्षकों सहित समस्त सम्मानित अभिभावकों व प्रिय विद्यार्थियों का हृदय से अभिनंदन करता है।

कांग्रेस-भाजपा में नेताओं की गुटबाजी के बीच कौन मारेगा बाजी?

राजस्थान में पिछले पांच चुनावों से परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस सत्ता में रहती है और एक बार भाजपा। शायद यही कारण है कि विपक्षी भाजपा को इस बार भरोसा है कि वह पुनः सत्ता में इसी फार्मूले के सहारे आ जाएगी। सत्ताधारी कांग्रेस, गुटों में बंटी हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार दावा कर रहे हैं कि सरकार रिपीट होगी।वैसे तो नौ राज्यों में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन राजनीति का असली अखाड़ा इस समय राजस्थान बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आसींद (भीलवाड़ा) में भगवान देवनारायण की जयंती पर एक बड़े कार्यक्रम में शामिल होकर राज्य के 7: गुर्जर वोटरों को साधने की कोशिश की है। पार्टी सिंबल कमल का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि आपका–हमारा गहरा नाता, भगवान देवनारायण का जन्म कमल पर हुआ और हमारी पैदाइश कमल से है।हालांकि, जैसी उम्मीद थी, उन्होंने देवनारायण कॉरिडोर की घोषणा नहीं की। पिछले चुनाव में सचिन पायलट के कारण गुर्जर, कांग्रेस की ओर चले गए थे, लेकिन इस बार भाजपा को उम्मीद है कि वो पुनः पार्टी का रुख करेंगे। इसी के साथ राजस्थान में चुनाव का बिगुल पूरी तरह बज गया है।राजस्थान में पिछले पांच चुनावों से यह परंपरा चली आ रही है कि एक बार कांग्रेस सत्ता में रहती है और एक बार भाजपा। शायद यही कारण है कि विपक्षी भाजपा को इस बार भरोसा है कि वह पुनः सत्ता में इसी फार्मूले के सहारे आ जाएगी। सत्ताधारी कांग्रेस, गुटों में बंटी हुई है, लेकिन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत लगातार दावा कर रहे हैं कि सरकार रिपीट होगी।

अभी हाल में उन्होंने 156 सीटें लाने का बड़ा दावा कर डाला है। कांग्रेस, भाजपा के अलावा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के सुप्रीमो व नागौर से लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल भी पश्चिमी राजस्थान में ताल ठोक रहे हैं तो आम आदमी पार्टी मैदान में उतरने को तैयार है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की नजरें भी उत्तर प्रदेश और हरियाणा से लगती सीटों पर है।

पिछले चुनाव में कांग्रेस की वापसी

वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सत्ता में वापसी हुई थी और तब चुनाव सचिन पायलट के प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए लड़ा गया था। 21 सीटों से पार्टी बढ़कर 100 सीटों पर पहुंची थी और साधारण बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। तब कुछ निर्दलीयों ने सरकार को समर्थन दिया, लेकिन कुर्सी के असली दावेदार सचिन पायलट के बजाय अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री बनाया गया। तभी से पार्टी दो गुटों में बंटी हुई है।

एक गुट मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ, तो दूसरा सचिन पायलट के। कोरोना महामारी के दौरान भी सरकार में बगावत हो गई थी और तब सचिन पायलट अपने गुट के 19 विधायकों के साथ दिल्ली में डेरा डाल रहे थे।

कांग्रेस–भाजपा में नेताओं की गुटबाजी के बीच कौन मारेगा बाजी?

कांग्रेस–भाजपा में नेताओं की गुटबाजी के बीच कौन मारेगा बाजी? – फोटो रू अमर उजाला

स्थिति यहां तक पहुंच गई थी कि कांग्रेस को अपने विधायकों को होटल में रखना पड़ा था। उस समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के लिए नाकारा–निकम्मा जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। बगावत के समय सचिन पायलट उप मुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष भी थे।

पार्टी ने उन्हें दोनों पदों से हटा दिया था। उनके साथ गए मंत्रियों को हटा दिया था। सचिन लौटे, लेकिन उन्हें पुनः कोई पद नहीं मिला। हालांकि, उनके साथ बगावत करने वाले रमेश मीणा, विश्वेंद्र सिंह जैसे नेताओं को पुनः मंत्री बना दिया गया।

उस समय कांग्रेस संगठन और सरकार में जो दरार थी, वह अब खाई बन चुकी है। सचिन पायलट खुलकर सरकार के खिलाफ सभाओं में बोल रहे हैं। मुख्यमंत्री का नाम तो नहीं ले रहे हैं, लेकिन उनका पूरा हमला अशोक गहलोत के ऊपर है।

सचिन पायलट बनाम अशोक गहलोत

धीरे–धीरे सचिन पायलट का समर्थन भी बढ़ रहा है और अशोक गहलोत से नाराज नेता उनके साथ आ रहे हैं। इनमें नया नाम हरीश चौधरी का है, जो अशोक गहलोत सरकार में मंत्री रहे हैं और उनके पास पंजाब का प्रभार है, लेकिन इन सबसे अशोक गहलोत बिल्कुल बेफिक्र नजर आ रहे हैं। वह बजट की तैयारियों में लगे हैं। हालांकि, दबी जुबान में कांग्रेसी नेता यह कह रहे हैं कि दोनों गुटों की तनातनी में नुकसान पार्टी को ही होगा। सरकार को इस विग्रह का नुकसान उठाना पड़ेगा।

दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी में भी नेतृत्व को लेकर बहुत सुखद स्थिति नहीं कही जा सकती है। पार्टी अब तक किसी भी एक नेता को प्रोजेक्ट करने से बचती चली आ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, जिन्हें कुछ समय से साइडलाइन किया गया था, वह दोबारा पिक्चर में दिखने लगी हैं।

दो–तीन दिन पहले ही दो साल बाद प्रदेश भाजपा कार्यालय के पोस्टर में उनकी वापसी हुई है। वसुंधरा विरोधी गुट में शामिल सतीश पूनिया प्रदेश अध्यक्ष हैं,

अयोध्या के रामपुर सरधा के वार्षिकोत्सव में छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने सबका मनमोहा

अयोध्या अयोध्या, मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या जनपद के ग्रामोदय ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस रामपुर सरधा के तत्वावधान में ग्रामोदय इंटर कॉलेज के प्रांगण में संस्थान का वार्षिकोत्सव मनाया गया। छात्र छात्राओं द्वारा प्रस्तुतियों ने सबका मनमोह लिया।शुभारंभ मुख्य अतिथि रमापति दूबे एवं प्रबंध निदेशक डॉ संदीप सिंह, प्रबंधक पीएन सिंह, निदेशक उग्रसेन सिंह ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ छात्रा वर्षा तिवारी, स्तुति मिश्रा, अंशिका यादव, अवंतिका तिवारी व अंजली यादव ने किया। कक्षा आठ के विकास गौड़, लविश यादव, दीपक यादव, आदर्श शर्मा, राज दूबे, हर्षित सिंह ने अनपढ़ नेता व अंधेर नगरी नाटक का मंचन करके लोगों से खूब वाहवाही बटोरी। आकृति सिंह ने शिव तांडव पर भाव नृत्य प्रस्तुत किया। तृप्ति सिंह, आयुषी सिंह, हर्षिता पांडे, रागिनी शर्मा, अमृता पटेल, शुभी दूबे, तृषा तिवारी ने झांसी की रानी नाटक का मंचन करके लोगों का मन मोह लिया। अंशिका तिवारी, अंजली यादव, सोनम, सृष्टि मिश्रा, सोनाली गुप्ता, एकता द्वारा भगवान श्रीराम, माता जानकी व लक्ष्मण की झांकी निकाली गयी। राजगुरु, भगत सिंह व सुखदेव के फांसी का मंचन तथा शहीदों व संस्थान के संस्थापक स्व नर्वदेश्वर सिंह को सलामी देकर व श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

संस्थान के प्रबंधक पीएन सिंह ने कहा कि आगे बढ़ने के लिए लगन और भाव की जरूरत होती है, अभाव कभी भी सफलता को रोक नहीं पाता। संचालन अंग्रेजी प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी सीएम यादव ने किया। प्राचार्य डॉ संदीप सिंह, प्रधानाचार्य इं. दीपक सिंह, निदेशक उग्रसेन सिंह, डॉ रामकरन वर्मा समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे !

राम नगरी अयोध्या के मठ-मंदिरों में अभी से उड़ने लगे अबीर-गुलाल, जानिए अनोखी परंपरा

अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम के पावन धर्म नगरी अयोध्या में यूं तो फाल्गुन मास शुरू होने पर ही देश में होली का माहौल का बनता है. लेकिन, रामनगरी में बसंत पंचमी से ही रंगोत्सव की शुरुआत मानी जाती है. यह अनोखी परंपरा वर्षों से चली आ रही हैभगवान राम की नगरी में अबीर–गुलाल का दौर शुरू हो गया है. यह भगवान और भक्त के बीच की अनूठी परंपरा है, जो हर वर्ष बसंत ऋतु के शुरू होने के साथ ही प्रारंभ हो जाती है. इस दौरान भक्त भगवान को अबीर–गुलाल लगाते हैं. ऐसे में पूरी नगरी में होली जैसा माहौल बन जाता है. अयोध्या में इसी दिन से रंगोत्सव की शुरुआत भी मानी जाती है. रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास बताते हैं कि बसंत पंचमी के दिन अयोध्या में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं. इस दौरान भक्त श्रद्धालु हनुमानगढ़ी, कनक भवन, राम जन्म भूमि ,नागेश्वरनाथ इत्यादि मठ–मंदिरों में भगवान को अबीर और गुलाल अर्पित करते हैं. संत समाज के साथ–साथ श्रद्धालु भी भगवान के दर्शन के उपरांत उन्हें अबीर और गुलाल लगाते हैं. इसके बाद मंदिर में मौजूद पुजारी भगवान उसी अबीर–गुलाल को प्रसाद स्वरूप वितरित करते हैं.बसंत से ही होली की शुरुआतआचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि बसंत पंचमी से ही अबीर और गुलाल का प्रयोग मठ–मंदिरों में शुरू हो जाता है. इस दिन 10 हजार से अधिक मठ–मंदिरों की नगरी अयोध्या में नागा साधु, संत समाज और श्रद्धालु भगवान को अबीर–गुलाल लगाते हैं. साथ ही पंचकोसी परिक्रमा भी तक करते हैं. हालांकि, आमजन को ये लगता है कि होली जब नजदीक आती है, तभी रंग और गुलाल दिखता है. लेकिन राम नगरी अयोध्या के मठ मंदिरों में बसंत पंचमी के दिन से होली का शुभारंभ होता है !

अयोध्या में समाजसेवी राजन ने किया पुलिसकर्मियों को सम्मानित

अयोध्या अयोध्या,

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धाम नगरी अयोध्या जिले के सभी थानों में तैनात पुलिस कर्मियों को उनके परिश्रम के लिए इस साल भी सम्मानित किया जा रहा है। समाजसेवी राजन पांडेय की ओर से इसकी पहल दस वर्षों पूर्व की गई थी।समाजसेवी पांडेय ने बताया कि पुलिस कर्मियों द्वारा चौबीस घंटे ड्यूटी पर कार्यरत रहने और समाज के प्रति उनके दायित्व के लिए और प्रेरित किए जाने के लिए यह कार्य शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि सभी कोतवाली व थानों पुलिस कर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए भाई त्रिलोकी नाथ पांडेय और पुत्रों अमित पांडेय, और अंकित पांडेय को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि इस क्रम में समस्त कोतवाल व थानाध्यक्ष समेत पुलिस कर्मियों को उपहार भेंट किया गया। इसी के साथ कम्बल का भी वितरण कराया गया है। पांडेय ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी के कामों से जनता का भरोसा बढ़ा है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही एसएसपी को भी सम्मानित किए जाने का कार्यक्रम निर्धारित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि जरुरतमंदों की सेवा का क्रम अनवरत जारी है !

अयोध्या में सड़क सुरक्षा माह के तहत एआरटीओ ने बच्चों को दिए यातायात नियमों के टिप्स

अयोध्या।अयोध्या ,सड़क सुरक्षा माह के तहत शनिवार को द्वारिकापुरी 'हांसापुर स्थित झुनझुनवाला पीजी कॉलेज में बच्चों को यातायात नियमों से जागरूक किया गया है। सहायक संभागीय परिवहन प्रशासन आरपी सिंह ने कालेज के बच्चों को शपथ दिलाई और यातायात नियमों को समझ पैदा करने के लिए यातायात नियमों से जागरूक करने के साथ नियमों के अनुपालन हेतु प्रेरित किया गया। एआरटीओ प्रशासन आरपी सिंह ने ध्बच्चो को टिप्स देते हुए अवगत कराया गया कि रात में जब आवागमन सुन्न हो जाता है तो ट्रैफिक लाइंस केवल पीले रंग की जलती रहती है इसके बारे में जागरूक किया गया पीली लाइट का उद्देश्य देखो और जावद आवागमन के लिए जलाई जाती है इसके अलावा लाल लाइट रुकने का संदेश देती है हरी लाइट ध्जाने के लिए इशारा करतीं हैं।ध अंत में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन आरपी सिंह ने झुनझुनवाला पीजी कॉलेज में आए सभी बच्चों को सड़क सुरक्षा के संबंध में शपथ दिलाई। कॉलेज के प्राचार्य कमलेश कुमार तिवारी द्वारा सहायक संभागीय परिवहन 'अधिकारी प्रशासन आरपी सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान कालेज प्राचार्य करूणेश कुमार तिवारी, संजीव शुक्ला तथा विद्यालय के प्राध्यापक आदि उपस्थित रहे !

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के यूपी के वरिष्ठ नेता के एम भट्ट का निधन ,अयोध्या में शोक की लहर

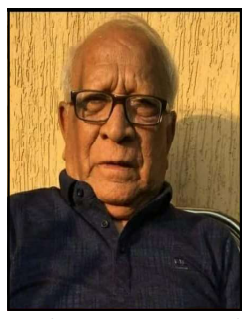

,मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ नेता कामरेड के एन भटट का दिनांक 27 जनवरी 2023 को सायं निधन हो गया। वे 89 वर्ष के थे तथा अविवाहित थे।जनौस के पूर्व प्रदेश महासचिव सत्यभान सिंह जनवादी ने कहा कि पार्टी के उत्तर प्रदेश राज्य सचिव मण्डल के सदस्य और सीटू के अध्यक्ष व महामंत्री रहे कामरेड के एन भटट का जन्म 22 मई 1933 को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जनपद के गंगोलीहाट तहसील के फुटसिल गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। वे पांच भाई एवं एक बहन थे।कामरेड के एन भटट की प्रारंभिक शिक्षा गंगोलीहाट के राजकीय इंटर कालेज में हुई तथा उसके बाद बुलंदशहर के जिले की पन्नी शुगर मिल में नौकरी करने लगे। जहां श्रमिकों के हितों के लिए संघर्ष करते हुए नौकरी से निकाल दिये गये। उसके बाद उन्होंने अपना पूरा जीवन मजदूर वर्ग के संघर्षों में लगा दिया।कामरेड भटट 1956 में अविभाजित कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य बने और इसके बाद 1964 में सीपीआई (एम) की स्थापन के साथ सीपीआई (एम) से जुड़े तथा उस समय की पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्य कमेटी के सचिव रहे। 1981 में दोनों राज्य कमेटियों के एक होने के बाद उत्तर प्रदेश पार्टी राज्य सचिव मण्डल के सदस्य बने तथा इस पद पर लगभग 25 वर्ष से अधिक रहे। उम्र की अधिकता के चलते उनको पार्टी की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया गया।कामरेड के एन भटट मजदूर मोर्चे पर सक्रिय थे तथा सीटू उत्तर प्रदेश के तीन बार अध्यक्ष तथा एक बार महामंत्री रहे। उनकी उत्तर प्रदेश में चीनी मिल मजदूरों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका रही तथा चीनी मिल मजदूर समिति के वे संस्थापकों मेंएकथेकामरेड के एन भटट का जीवन मजदूर वर्ग और शोषित पीड़ित जनता के हितों के लिए संघर्ष करते हुए बीता। आपातकाल के दौरान लगभग पौने दो साल तक उन्होंने भूमिगत रहकर आपातकाल के खिलाफ संघर्ष किया। इसके अतिरिक्त कई बार उन्होंने जेल यात्रायें की।कामरेड के एन भटट के निधन पर अयोध्या कमेटी गहरा शोक व्यक्त किया तथा उनके निधन को पार्टी की अपूर्णीय क्षति बताते हुए अपनी श्रद्धांजलि दी।

जन जन का सिर्फ एक ही नारा है ,सबको तम्बाकू से मुक्ति दिलाना है - मुनिराज एसएसपी डीआईजी , अयोध्या

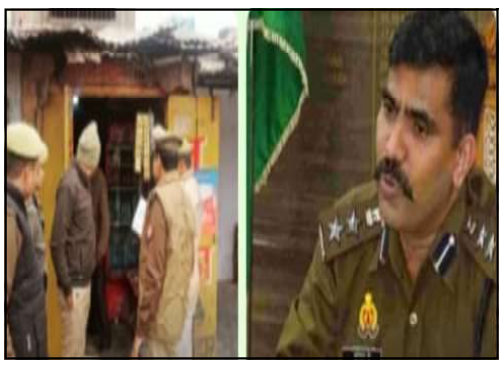

अयोध्या अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या जनपद में पुलिस उपमहानिरीक्षकध्वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अयोध्या श्री मुनिराज जी के निर्देशन में आज दिनाँक 27ध01ध2023 को प्रभारी निरीक्षक मय टीम थाना एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिग अयोध्या पुलिस द्वारा मादक पदार्थ की रोकथाम हेतु फतेहगंज, मकबराचौराहा एपुष्पराज चौराहा, लाल बाग, देव काली, बुथ नं 4 के आसपास स्कूलधशिक्षण संस्थानो के 100 गज की परिधि के अन्दर तम्बाकू एवं तम्बाकू से बनी वस्तुओं को क्रय– विक्रय करने हेतु कडी हिदायत देकर तम्बाकू, गुटका, पान मसाला हटवाया गया तथाआमजन मानस को जागरूक किया गया !

अयोध्या के गौ रक्षक रितेश दास समाज में उत्कृष्ट कार्य हेतु हुए सम्मानित

अयोध्या मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की पावन धर्म नगरी अयोध्या जनपद में 74 वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर अयोध्या के लोकप्रिय समाजसेवी गौ सेवक रितेश दास को कड़ी सुरक्षा के बीच इतिहास के पन्नों में नाम लिखा गया ।आपकोबतातेचलेंकिइसऐतिहासिक शुभ अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह जी ने सामाजिक व सराहनीय कार्यों के लिए खूब प्रशंसा किया व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित , इस शुभ अवसर अयोध्या डीएम नीतीश कुमार जी , मंडला आयुक्त ,व कप्तान श्री मुनि राज जी, सहित जिले के कई पुलिस अफसर नेता मंत्री महापौर ऋषिकेश उपाध्याय व वरिष्ठ सम्मानित नागरिक मौजूद रहे ,

उत्तर प्रदेश पुलिस परिवार को व जल शक्ति मंत्री श्री स्वतंत्र देव सिंह जी सराहनीय कार्य के लिए किया था सम्मानित ,भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा समिति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दैनिक दिग्राम टुडे न्यूज अयोध्या के ब्यूरो प्रमुख अजय कुमार मांझी ने कहा कि जनहित में किया गया कार्य गौ सेवक रितेश दास का बहुत ही सराहनीय कार्य है !

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट में वर्ल्ड प्रीमियर लीग सीजन 2 का समापन, विजेताओं को किया सम्मानित

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, फरुखनगर, गुड़गांव के प्रांगण में वर्ल्ड प्रीमियर लीग सीजन 2 क्रिकेट मैचों में सहवाग इंटरनेशनल स्कूल और माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के मध्य फाइनल क्रिकेट मैच बहुत ही रोमांचक रहा। माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने 6 विकेट के नुकसान पर 12 ओवर में 126 रन बनाकर जीत हासिल की । सहवाग इंटरनेशनल स्कूल ने 7 विकेट के नुकसान पर 12 ओवर में 105 रन बनाये । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार 2019 से सम्मानित विश्व प्रसिद्ध भारतीय पर्वतारोही माननीया अनीता कुंडू जी और वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के फाउंडर चेयरमैन माननीय डॉ. नरेंदर सिंह जी ने संयुक्त रूप से विजेता टीम को पुरस्कार दिया । वर्ल्ड प्रीमियर लीग सीजन 2 क्रिकेट मैचों में विजेता टीम माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल को प्रथम पुरस्कार 61 हजार रुपये का इनाम ट्रॉफी के साथ दिया तथा सहवाग इंटरनेशनल स्कूल को द्वितीय पुरस्कार 25 हजार रुपये का इनाम ट्रॉफी के साथ दिया गया ।

वर्ल्ड कॉलेज के रजिस्ट्रार युद्धवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के यश को मैन ऑफ द सीरीज के खिताब से नवाजा गया । सहवाग इंटरनेशनल स्कूल के मानस को सीरीज के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ फील्डर का खिताब के लिए माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से ऋतिक को, सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज का खिताब के लिए माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अभिषेक को, सर्वश्रेष्ठ कैच के लिए माता भाटी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल से सक्षम को चुना गया ।

वर्ल्ड कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के मैनेजिंग ट्रस्टी श्री कुंवर निशांत सिंह जी ने कहा शिक्षा के साथ–साथ मानसिक व शारीरिक विकास के लिए खेल भी बहुत जरूरी है इसलिए प्रत्येक छात्र को पढ़ाई के साथ खेलों में भी बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए । यही सोच कर वर्ल्ड प्रीमियर लीग सीरीज की शुरुआत की गई ।

इस अवसर पर निदेशक ब्रिगेडियर (रिटायर्ड) आर.के कौशिश, डॉ. अजय कुमार डागर (प्रिंसिपल), डॉ.जीना चहल असिस्टेंट डायरेक्टर, डॉ.पारुल अग्रवाल, डायरेक्टर एकेडमिक एवं विभागाध्यक्ष (बिजनेस एडमिंस्ट्रेशन), डॉ. क्षमता चुघ विभागाध्यक्ष एप्लाइड साइंस एंड ह्यूमॉटिएस, डॉ.उमा विभागाध्यक्ष (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग),श्री अंकित सेठी विभागाध्यक्ष सिविल इंजीनियरिंग, श्रद्धा चौरसिया हेड प्लेसमेंट एंड ट्रेनिंग, डॉ. रेखा रानी प्रिंसिपल ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ एजुकेशन आदि उपस्थित थे ।

अयोध्या में शुरू हुआ कांग्रेस पार्टी का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम

अयोध्या 28 जनवरी2023 कांग्रेस पार्टी का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम महानगर क्षेत्र के स्वामी विवेकानंद वार्ड स्थित कसाब बड़ा मोहल्ले से प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का संयोजन अब्दुल मुगीश कुरैशी ने कियाहाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम के अंतर्गत कांग्रेस पार्टी ने जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल के नेतृत्व में विवेकानंद वार्ड में भाजपा के विरोध में घर घर जाकर पत्रक बांटे। इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने भाजपा पर कुछ का साथ और खुद का विकास तथा सबके साथ विश्वासघात नारों के साथ मोहल्ले में घर घर जाकर भाजपा के खिलाफ पत्रक में लिखी चार्जशीट बाटी।

कार्यक्रम के अंत में सभा का आयोजन हुआ जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव तथा संचालन महानगर अध्यक्ष रेसिंग कमल ने किया जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा भाजपा की सरकार सूट बूट और लूट की सरकार है भारत में एक सबका जहां अमीर होता जा रहा है वही एक बड़ा तबका महंगाई के दंश को हिलता हुआ गरीबी की तरफ बढ़ रहा। मोदी सरकार किसानों की जगह उद्योग पतियों को कर्जे बांट रही और उन्हीं के कर्जा माफ भी कर रही है।

श्री यादव ने कहा आज पूरे देश में जीएसटी के नाम पर छोटा व्यापारी तबाही के कगार पर पहुंच गया है।

एआईसीसी राजेंद्र प्रताप सिंह तथा पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा ने कहा भाजपा सरकार में महंगाई बेतहाशा बढ़ी है तथा खान पान की सामग्रियां बहुत महंगी होती चली जा रही हैं।महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल ने कहां भाजपा शासन में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहा ,आटा दाल चावल दूध और दही जैसी जरूरी चीजों पर जीएसटी लगने से घरेलू महंगाई दर 17 परसेंट से भी ऊपर चली गई है।जिला कांग्रेस प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने बताया कांग्रेस पार्टी का हाथ से हाथ जोड़ो कार्यक्रम पूरे जिले में चलाया जाएगा जिसके तहत प्रत्येक गांव और वार्डों में कांग्रेस जन घर घर जाकर भाजपा की जन विरोधी नीतियों के विरुद्ध आमजन को जागरूक करने का प्रयास करेंगे।इस अवसर पर प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा, राम नरेश मौर्या, प्रवीण श्रीवास्तव उमेश उपाध्याय ,रीता मोरिया ,प्रमिला राजपूत ,कंचन दुबे, डीएनवर्मा ,विनोद गुप्ता, रमेन्द त्रिपाठी ,सल्लू अशफाक, सेवादल महानगर अध्यक्ष बसंत मिश्रा आदि मौजूद रहे !

दिन भर खिली रही धूप शाम को निकला चटक चांद, मौसम हुआ बसंती

शनिवार को सुबह से ही जनपद में धूप खिली रही। जिससे लोगों ने राहत महसूस की। वृहस्पतिवार की सुबह हुई बारिश से सड़कें कीचड़ से लथपथ हो गई थी।वह शनिवार की शाम लगभग सूख गई जिस कारण सड़कों पर चलना आसान हो गया। बारिश के कारण रबी की फसलों को भी लाभ मिला है। गणतंत्र दिवस पर बूंदा बांदी से तापमान गिर गया था। सुबह हल्की गलन बरकरार थी लेकिन जैसे जैसे दिन चढ़ता गया गलन से राहत मिलती गई। हल्की बारिश से मछलीशहर तहसील क्षेत्र सहित पूरे जनपद में किसानों के चेहरे खिल उठे हैं। भीषण ठंड से भी अब छुटकारा मिलने की उम्मीद जगी है और मौसम बसंती हो चला है।शाम होने पर पिछले दिनों अक्सर धुंध छा जाया करती थी जिस कारण चांद भी या तो दिखता नहीं था या बिल्कुल धुंधला दिखाई देता था लेकिन शनिवार की शाम माघ मास की शुक्ल पक्ष की अष्टमी का चांद निकला तो वह भी चटक रोशनी के साथ। बारिश के बाद चमकते सूरज की खिली धूप से फसलों को और आम जनमानस को लाभ मिला लेकिन चांदनी रात से किसानों को होने वाले लाभ पर विकास खंड मछलीशहर के किसान प्रेमचंद प्रजापति कहते हैं कि शाम के समय ही नीलगाय दिन भर जंगल और बसुही नदी के किनारे आराम फरमाने के बाद गेहूं के खेतों की ओर कूच करते हैं ऐसे में रात चांदनी होने से नीलगायों के झुंड को देखना आसान हो जाता है। कृष्ण पक्ष में ऐसा नहीं होता है।

तीन दिवसीय सूर्य सप्तमी का समापन बड़ी धूमधाम से हुआ

राजस्थान,सीकर, यहां निकटवर्ती लोहार्गलधाम मे तीन दिवसीय आयोजन का समापन बड़ी धूमधाम से किया गया,इस अवसर पर महंत श्री स्वामी अवधेशाचार्य जी महाराज, स्वामीअश्वनी दास जी महाराज, जानकी नाथ मंदिर के महंत मधुसूदनाचार्य जी,पालवास से चंद्रमादास जी महाराज, पूर्व विधायक रतन जलधारी,भाजपा मुख्य प्रवक्ता रतन लाल सैनी, समाजसेवी भंवरलाल जांगिड़, भाजपा नेता महेश शर्मा, गोविंद सैनी,श्री श्याम बाबा भजन समिति संयोजक एवं सचिव श्याम भक्त राम गोपाल गोपी व उपाध्यक्ष ज्योति तनवानी,राज शर्मा, रमा शेखावत, पूजा शर्मा,सनु मोदी, सरला शर्मा, सरिता पेसवानी,प्रेमलता जोशी, भाजपा प्रदेश मंत्री मध J कुमावत, भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वदेश शर्मा,संतोष जांगिड़,इंदिरा शर्मा,महंत अवधेशाचार्य जी ने सभी भक्तों को भगवान श्री सूर्य नारायण की प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया इस अवसर पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया जिसमें प्रेम शर्मा (लक्ष्मणगढ़) अमित खंडेलवाल ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत किए महिलाओं और पुरुषों की जबरदस्त भीड़ रही।

राइट टू एजुकेशन के मामले में वाराणसी की प्रोग्रेस रिपोर्ट डाउन, सुचित्रा चतुर्वेदी ने अफसरों को लगाई फटकार

वाराणसी के सर्किट हाउस में राज्य बाल संरक्षण आयोग की सचिव शुचिता चतुर्वेदी ने अधिकारियों और एनजीओ के लोगों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने आगामी 20 के आयोजन को देखते हुए काशी को भिक्षाटन मुक्त करने पर जोर दिया। वही राइट टू एजुकेशन को लेकर आयोग की सचिव सुचित्रा चतुर्वेदी ने अधिकारी को जमकर फटकार लगाई हैं। समीक्षा बैठक में सरकार द्वारा बच्चों के लिए चलाई जा रही योजनाओं को लेकर अधिकारियों और बैठक में उपस्थित लोगो को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए।

राज्य महिला व बाल आयोग सचिव शुचिता चतुर्वेदी ने बताया कि वर्तमान में बात चल रही हैं निशुल्क शिक्षा अधिनियम के मामले में वाराणसी का डेटा पूर्व से कम हो रहा है। ये एक चिंता का विषय है। बाल भिक्षा को रोकने के लिए हम कई सारे योजनाओं पर काम कर रहे है। एडमिशन शुरु होने वाले हैं इसको लेकर भी बातचीत की गई है। सबको ये जानकर की खुशी होगी कि जितने भी एनजीओ यहां आए हुए हैं सभी सरकार के साथ मिलकर काम करने के इच्छुक है। इस लिए जो भी चुनौतियां हैं बाल श्रम, बाल भिक्षा वृत्ति, शिक्षा सभी मामले पर मिलकर कर लेंगे हम।

उन्होंने कहा कि हम यहां आए सभी लोगों से ये निवेदन करना चाहती हूं कि प्रदेश को बाल भिक्षा वृत्ति,बाल श्रम से मुक्त करे और राइट टु एजुकेशन को बढावा दे। समीक्षा बैठक में वाराणसी को भिक्षाटन से कैसे मुक्त किया जाए, उसपर चर्चा की गई, इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी सुधाकर शरण पांडेय, बेसिक शिक्षा अधिकारी के प्रतिनिधि, महिला कल्याण अधिकारी अंकिता श्रीवास्तव समेत 40 से अधिक एनजीओ के लोग भी उपस्थित थे।

धूमधाम से मनाया गया ठाकुर गोलोकबिहारी महाराज का 31वां पाटोत्सव

वृन्दावन।गौशाला नगर क्षेत्र स्थित श्री गोलोक धाम आश्रम में ठाकुर श्रीराधा गोलोक बिहारी महाराज का 31वां पाटोत्सव धर्मरत्न स्वामी गोपालशरण देवाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में अत्यंत श्रद्धा एवं धूमधाम के साथ सम्पन्न हुआ।इस अवसर पर ठाकुरजी का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंचामृत से अभिषेक किया गया।साथ ही उन्हें नवीन पीत पोशाक धारण कराकर उनका भव्य श्रृंगार किया गया।इसके अलावा उन्हें 56 भोग निवेदित किए गए।

गोलोकधाम पीठाधीश्वर धर्मरत्न स्वामी गोपालशरण देवाचार्य महाराज ने कहा कि श्रीधाम वृन्दावन की भूमि अत्यंत पावन व समृद्ध है।क्योंकि यहां के कण–कण में लीला पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण व उनकी आल्हादिनी शक्ति श्रीराधा रानी की चरण रज विद्यमान हैं।इसीलिए इस भूमि पर हमने 30 वर्ष पूर्व ठाकुर गोलोक बिहारी महाराज के मंदिर की स्थापना की थी।इस मन्दिर से देश–विदेश के असंख्य भक्तों व श्रद्धालुओं की आस्था जुड़ी हुई है।

ब्रज साहित्य सेवा मंडल के अध्यक्ष डॉ. गोपाल चतुर्वेदी ने कहा कि धर्मरत्न स्वामी गोपालशरण देवाचार्य महाराज धर्म व अध्यात्म जगत की बहुमूल्य विभूति हैं।इन्होंने श्रीकृष्ण भक्ति की लहर को समूचे विश्व में प्रवाहित कर असंख्य व्यक्तियों का कल्याण किया है और कर रहे हैं।उनके द्वारा विश्वभर में श्रीराधा कृष्ण के 108 मन्दिर बनाने का जो संकल्प लिया हुआ है, वो अति प्रशंसनीय है।इससे न केवल प्रभु भक्ति अपितु सनातन धर्म का भी अत्यधिक प्रचार–प्रसार होगा।

इससे पूर्व भागवताचार्य का संतो व विप्रों के द्वारा संगीतमय सामूहिक गायन किया गया।साथ ही होली के पदों, भजनों व रसियाओं का गायन किया गया।तत्पश्चात बधाई गायन हुआ।जिसमें रुपए, कपड़े, मेवा–मिष्ठान, फल, बर्तन आदि लुटाए गए।इस अवसर पर इत्र, गुलाब जल व फूलों की होली खेली गई।

महोत्सव में डॉ. भागवत कृष्ण नांगिया, ब्रज रस रसिक चंदन महाराज, भागवताचार्य हरिमोहन गोस्वामी, राधारमण गोस्वामी, शास्त्रीय गायक पंडित कामोध मिश्रा, बाबा राधारमण दास, युवा साहित्यकार डॉ. राधाकांत शर्मा, राहुल गोस्वामी, हरिदासी संत रासबिहारी दास, गौरव शंकर उपाध्याय, पंडित श्रीकांत, मुकुंद शरण, लोकेंद्र आदि की उपस्थिति विशेष रही। महोत्सव का समापन संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारे के साथ हुआ।

2 बीघा गन्ने की फसल जलकर राख, ग्रामीणों और पुलिस प्रशासन ने कड़ी मशक्कत से आग पर पाया काबू

अयोध्या अयोध्या।

खेतो के बीच से गुजरे हैटेंशन विधुत करंट से खेत खडे दो बिगहा गन्ने की फसल जलकर हुई स्वहा घटना शनिवार की बताई जा रहीं है जनपद के बीकापुर तहसील के ग्राम रुसिया माफी, पोहपी निवासी रमाकांत पांडेय पुत्र स्व० रामयज्ञ ने अपने दो बीघा के खेत मे गन्ने की बुवाई किया था जिसके बीचो–बीच से हैटेंशन बिजली के तार निकले गये है जिसमें करंट उतरने से आग लग गयी। जिसकी चपेट मे आने से खेत मे खडी तैयार गन्ने की फसल जलकर स्वहा हो गयी। पीड़ित किसान ने खेत मे आग लगने की सुचना स्थानीय थाना पुलिस को देते हुये फायर सर्विस की मदद से आग पर काबू पाने की गुहार लगाई जिसपर फायर सर्विस की टीम ने मौके पर बचाव कार्य कर खेत के अतिरिक्त आग ना फैलने मे सफलता हासिल किया लेकिन पीड़ित किसान की दो बीघा गन्ना पूरी तरह से जल कर राख मे तब्दील हो गया है। पीड़ित किसान ने इसकी मौखिक शिकायत एसडी एम व तहसील दार से भी किया है। वहीं खडी फसल को जलता देख किसान का पूरा परिवार सर पर हाथ धरकर रो रहा है।

पुस्तक समीक्षा

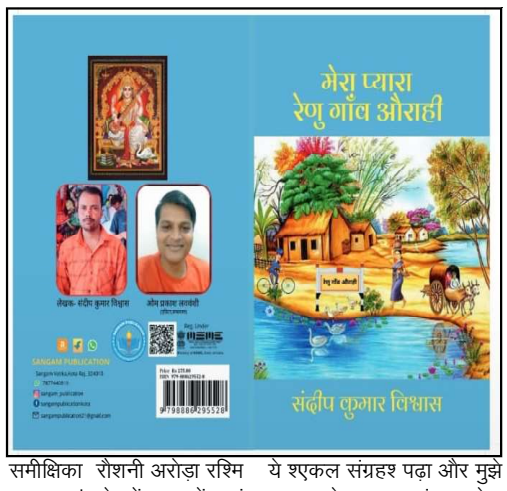

समीक्षिका रौशनी अरोड़ा रश्मि नमस्कार! दोस्तों, भाइयों, एवं बहनों। आज मैं रौशनी अरोड़ा श्रश्मिश अपने द्वारा लिखी इस समीक्षा के माध्यम से आप सभी को ष्खारबिसगंज रेणुगाँव, औराही–हिंगना, अररिया (बिहार) के रहने वाले लेखक आदरणीय संदीप कुमार श्विश्वासश जी से मिलवा रही हूँ। आज मैं ष्रौशनी अरोड़ा रश्मिष लेखक ष्संदीप कुमार विश्वासष जी के द्वारा सृजित किए हुए, श्प्रथम एकल संग्रहश मेरा प्यारा रेणुगाँव श्औराहीश की समीक्षा लेकर उपस्थित हुई हूँ, क्योंकि इन्होंने अपने इस श्प्रथम एकल संग्रहश का सृजन, बहुत ही खूबसूरती के साथ उचित शब्दों का चयन करके किया है। श्संदीपश जी के इस श्प्रथम एकल संग्रहश का प्रकाशन श्मार्च–2022श में हुआ है। लेखक श्संदीपश जी को लेखन कार्य और साहित्य के प्रति साहित्यिक क्षेत्र में सेवा करते हुए लगभग 15 –16 वर्ष हो गए हैं। इन्होंने 13 वर्ष कि आयु में ही साहित्य लेखन का आरंभ कर दिया था, उनदिनों श्संदीपश जी कक्षा–7वीं में पढ़ा करते थे, तभी से उनका ये साहित्य–लेखन करने का सिलसिला शुरू हुआ। जिस उम्र में बच्चे खेलकूद व मौज–मस्ती किया करते हैं, उस उम्र में श्संदीपश जी एक से बढ़कर एक रचनाएँ लिखने में अपना समय व्यतीत किया करते थे और इनके बालपन से ही साहित्य के प्रति रूची रखने व खुद को साहित्य–लेखन की सेवा में डूबा देने की प्रतिभा को मैं श्रौशनी अरोड़ा रश्मिश तहेदिल से नमन करती हूँ। यह श्संदीप कुमार विश्वासश जी का प्रथम एकल संग्रह है, जो कि मुझे 30ध्11ध्2022, को प्राप्त हुआ था। मैंने श्संदीपश जी का ये श्एकल संग्रहश पढ़ा और मुझे उनका ये श्एकल संग्रहश मेरा प्यारा रेणुगाँव श्औराहीश इतना पसंद आया कि मैं ष्रौशनी अरोड़ा रश्मिष खुद को श्संदीपश जी के इस श्एकल संग्रहश के लिए समीक्षा लिखने से अपने आप को रोक ही न पाई। मैं श्रौशनीश लेखक श्संदीपश जी के इस श्प्रथम एकल संग्रहश और इसमें मौजूद सभी रचनाओं की, जितनी भी तारीफ करूँ वो कम ही होगी। मेरी समझ में नहीं आ रहा है कि उनके, श्मेरा प्यारा रेणुगाँव श्औराहीश, श्एकल संग्रहश की प्रशंसा का बखान मैं किस प्रकार करूँ, मेरे पास तो शब्द ही कम पड़ गए हैं। श्संदीप कुमार विश्वासश जी बहुत ही होनहार साहित्यकार हैं। श्संदीपश जी के द्वारा लिखा गया ये श्एकल संग्रहश बेहद खूबसूरत और आकर्षित है। श्संदीपश जी ने अपना यह श्प्रथम एकल संग्रहश अपने माता–पिता को, सभी साहित्यिक प्रेमियों को, अपने सभी ग्रामीणवासियों को एवं अपने प्रिय रेणुगाँव औराही–हिंगना को समर्पित किया है। श्संदीपश जी के द्वारा लिखे गए इस श्एकल संग्रहश में सभी रचनाएँ एक से बढ़कर एक हैं। किंतु मुझे जो–जो रचनाएँ बेहद पसंद आईं उनके नाम इस प्रकार हैं रू– (1) दया करो माँ दया करो, (2) हमारे गाँव कि मिट्टी, (3) सिरचन की याद में, (4) अपनों को जलन क्यों होती है, (5) मैं दुकानदार हूँ, (6) हाँ मैं छोटी सी कलम हूँ, (7) साहित्यग्राम की सौंधी–सौंधी खुश्बू , (8) हम बिहारी हैं, (9) बैलगाड़ी, (10) साहित्यकार कभी मरते नहीं हैं, (11) मेरा परिवार, (12) आखिर कौन है वो, (13) माथे की पगड़ी, (14) विरेंद्र का राशिफल इत्यादि। इस पुस्तक को पढ़ने के बाद ऐसा लगता है कि श्संदीपश जी के हृदय में अपने गाँव व गाँववासियों के लिए कितना लगाव व कितना स्नेह है, ये तो उनके इस श्एकल संग्रहश को पढ़कर ही साफ–साफ पता चल जाता है। इस श्एकल संग्रहश में श्संदीपश जी ने अपने दिल में छुपे सभी भावों को बेहद खूबसूरती से, अपनी रचनाओं के माध्यम से व्यक्त किया है और अपने जहन में विद्यमान अपने श्रेणुगाँव औराही–हिंगनाश के प्रति भिन्न–भिन्न भावों से संबंधित रचनाओं का समावेश किया है। वैसे तो श्संदीपश जी के द्वारा सृजित इस श्एकल संग्रहश की प्रत्येक रचनाएँ एक से बढ़कर एक हैं, मुझे तो इस श्संग्रहश की सभी रचनाएँ बेहद पसंद आई हैं, किंतु सभी रचनाओं का श्शीर्षकश तो बताया नहीं जा सकता। इसलिए मैंने उनके द्वारा रचित इस श्एकल संग्रहश की चंद ही रचनाओं का जिक्र आप सबके समक्ष किया है। उनके इस श्एकल संग्रहश का प्रकाशन, संगम पब्लिकेशन हाउस, कोटा, राजस्थान–324010, से हुआ है और इस पब्लिकेशन के प्रकाशक आदरणीय श्री ओम प्रकाश लववंशी श्संगमश जी हैं, जिनकी जितनी भी प्रशंसा की जाए वो कम ही है। जिन्होंने इस संग्रह को बहुत ही सुंदर व आकर्षित कवर पेज दिया है और इसमें मौजूद पृष्ठों के लिए बहुत ही साफ एवं मुलायम कागज का इस्तेमाल किया है। जिससे पुस्तक के पृष्ठ को छूते ही पाठकों कों मजा आ जाए। आप सभी से मैं श्रौशनी अरोड़ा रश्मिश विनम्र गुजारिश करती हूँ कि आप सभी एकबार श्संदीपश जी के इस श्प्रथम एकल संग्रहश को, आदरणीय प्रकाशक श्री श्ओम प्रकाश लववंशी संगमश जी से, अमेजॉन अथवा फ्लिपकार्ट से, इनमें से आप किसी भी माध्यम से खरीद कर अवश्य पढ़ें। जो कि आपको मात्र 275 रुपए में आसानी से प्राप्त हो जाएगा। मुझे पूर्ण विश्वास है कि श्संदीपश जी का ये श्एकल संग्रहश आप सभी को बेहद पसंद आएगा। श्संदीपश जी के द्वारा सृजित इस श्एकल संग्रहश के लिए ये समीक्षा लिखते हुए मैं आप सभी को बता भी नहीं सकती के, मैं श्रौशनी अरोड़ा रश्मिश कितना गौरवान्वित हो रही हूँ कि इतने महान रचनाकार की समीक्षा लिखने का सुअवसर मुझे प्राप्त हुआ। धन्यवाद! आदरणीय श्संदीपश जी का, जिन्होंने ने मुझे ये सुअवसर प्रदान दिया।

श्रीरामानुज सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि थे स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज : गोविंदानंद तीर्थ

वृन्दावन।केशीघाट स्थित श्रीजानकी वल्लभ मन्दिर का त्रिदिवसीय पाटोत्सव व वार्षिकोत्सव जगद्गुरु स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज के पावन सानिध्य में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ सम्पन्न हुआ।प्रातः काल ठाकुर श्रीजानकी वल्लभ महाराज का वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य पंचामृत से महाभिषेक किया गया।साथ ही श्रीसम्प्रदाय के विभिन्न धर्मग्रंथों का पाठ संतों व विप्रों के द्वारा किया गया।इसके अलावा 108 दीपों से ठाकुर विग्रह की विशेष आरती की गई।

इस अवसर पर आयोजित संत–विद्वत सम्मेलन में संत प्रवर स्वामी गोविंदानंद तीर्थ महाराज ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज श्रीरामानुज सम्प्रदाय की बहुमूल्य निधि थे।उन्होंने अपने आराध्य देव जानकी वल्लभ लाल, लक्ष्मी वैंकटेश, हनुमंत लाल, ब्रह्मऋषि देवराहा बाबा आदि की प्रतिमाएं अत्यंत श्रद्धा के साथ अपने आश्रम में प्रतिष्ठित की थीं।उन्ही सब का पाटोत्सव यहां हम सभी प्रतिवर्ष मनाकर स्वयं को बडभागी महसूस करते हैं।आचार्यकुटी पीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामप्रपन्नाचार्य महाराज व स्वामी रघुनाथाचार्य महाराज ने कहा कि जगद्गुरु स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज ने अपने श्रीरामानुज सम्प्रदाय के उन्नयन व संवर्धन के लिए अनेक ठोस व व्यवहारिक कार्य किए।जिससे श्रीरामानुज सम्प्रदाय गौरांवित हुआ है। वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. गोपाल चतुर्वेदी व पंडित रमेश चंद्राचार्य महाराज ने कहा कि जगदगुरू स्वामी भगवानदासाचार्य सहजता, सरलता, उदारता, परोपकरिता आदि अनेकों सद्गुणों को खान थे।यदि हम लोग उनके किसी एक गुण को भी अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारा कल्याण हो सकता है।

संत–विद्वत सम्मेलन में संस्कृत के प्रकांड विद्वान डॉ. गिरिराज प्रसाद शास्त्री,श्रीनाभापीठाधीश्वर स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज,पंडित बिहारीलाल वशिष्ठ, आचार्य रामधनी शास्त्री, पंडित राजाराम मिश्र,आचार्य रामसुदर्शन मिश्र, डॉ. रामकृपालु त्रिपाठी, आचार्य महेश भारद्वाज, संत सेवानंद ब्रह्मचारी, मुकेश शास्त्री, अनुज शास्त्री, अनूप अग्रवाल, डॉ. राधाकांत शर्मा, रामनारायण पुजारी, गोविंद ब्रह्मचारी, रवि कुमार, दुर्गेश कुमार, रामजी वर्मा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।संचालन आचार्य यशोदानंदन शास्त्री (लालजी महाराज) ने किया। रात्रि को ठाकुर जानकी वल्लभ महाराज की गाजे बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई।जिसका नगर वासियों ने आरती उतारकर व पुष्पवर्षा करके भावभीना स्वागत किया।संत ब्रजवासी वैष्णव सेवा एवं वृहद भंडारा भी हुआ।

आवश्यकता है
झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवमं
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे!
सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

टैंकों की सप्लाई से तुरंत नहीं बदल जाएगा यूक्रेन युद्ध के हालात

कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है और संभवतः उनसे ही यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी।

अमेरिकी सेना के फर्स्ट आर्मर्ड डिवीजन के कमांडर रह चुके मार्क हर्टलिंग ने कहा है– 'जो लोग कह रहे हैं कि यह या वो टैंक यूक्रेन को दे दो, वे शायद ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी नहीं देखा है कि टैंक को चलाया कैसे जाता है। युद्ध के दौरान मामूली गलती का विनाशकारी असर होता है।' हर्टलिंग अब टीवी चौनल सीएनएन के सैन्य विश्लेषक हैं। उनकी राय में दिए जा रहे टैंकों को चलाने का प्रशिक्षण सबसे अहम बात है।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में सीनियर रिसर्च फेलॉ ड्रयू थॉम्पसन ने कहा है कि युद्ध के दौरान खास पुर्जे नाकाम या क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें तुरंत बदलना पड़ता है। उन्होंने कहा– पेंटागन ऐसा करने में कुशल है, लेकिन यूक्रेन में टैंकों का इस्तेमाल यूक्रेन और अमेरिका दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम है।

कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, अगर उनमें से कुछ भी रूसी फौज नष्ट करने में सफल हुई, तो उसकी तस्वीरें दुनिया भर में जाएंगी और उससे रूस को प्रचार में आगे निकलने का बड़ा मौका मिलेगा।कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है और संभवतः उनसे ही यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी।

अमेरिकी सेना के फर्स्ट आर्मर्ड डिवीजन के कमांडर रह चुके मार्क हर्टलिंग ने कहा है– 'जो लोग कह रहे हैं कि यह या वो टैंक यूक्रेन को दे दो, वे शायद ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी नहीं देखा है कि टैंक को चलाया कैसे जाता है। युद्ध के दौरान मामूली गलती का विनाशकारी असर होता है।' हर्टलिंग अब टीवी चौनल सीएनएन के सैन्य विश्लेषक हैं। उनकी राय में दिए जा रहे टैंकों को चलाने का प्रशिक्षण सबसे अहम बात है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में सीनियर रिसर्च फेलॉ ड्रयू थॉम्पसन ने कहा है कि युद्ध के दौरान खास पुर्जे नाकाम या क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें तुरंत बदलना पड़ता है। उन्होंने कहा– पेंटागन ऐसा करने में कुशल है, लेकिन यूक्रेन में टैंकों का इस्तेमाल यूक्रेन और अमेरिका दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम है।

कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, अगर उनमें से कुछ भी रूसी फौज नष्ट करने में सफल हुई, तो उसकी तस्वीरें दुनिया भर में जाएंगी और उससे रूस को प्रचार में आगे निकलने का बड़ा मौका मिलेगा।कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है और संभवतः उनसे ही यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी।

अमेरिकी सेना के फर्स्ट आर्मर्ड डिवीजन के कमांडर रह चुके मार्क हर्टलिंग ने कहा है– 'जो लोग कह रहे हैं कि यह या वो टैंक यूक्रेन को दे दो, वे शायद ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी नहीं देखा है कि टैंक को चलाया कैसे जाता है। युद्ध के दौरान मामूली गलती का विनाशकारी असर होता है।' हर्टलिंग अब टीवी चौनल सीएनएन के सैन्य विश्लेषक हैं। उनकी राय में दिए जा रहे टैंकों को चलाने का प्रशिक्षण सबसे अहम बात है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में सीनियर रिसर्च फेलॉ ड्रयू थॉम्पसन ने कहा है कि युद्ध के दौरान खास पुर्जे नाकाम या क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें तुरंत बदलना पड़ता है। उन्होंने कहा– पेंटागन ऐसा करने में कुशल है, लेकिन यूक्रेन में टैंकों का इस्तेमाल यूक्रेन और अमेरिका दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम है।

कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, अगर उनमें से कुछ भी रूसी फौज नष्ट करने में सफल हुई, तो उसकी तस्वीरें दुनिया भर में जाएंगी और उससे रूस को प्रचार में आगे निकलने का बड़ा मौका मिलेगा।कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है और संभवतः उनसे ही यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी।

अमेरिकी सेना के फर्स्ट आर्मर्ड डिवीजन के कमांडर रह चुके मार्क हर्टलिंग ने कहा है– 'जो लोग कह रहे हैं कि यह या वो टैंक यूक्रेन को दे दो, वे शायद ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी नहीं देखा है कि टैंक को चलाया कैसे जाता है। युद्ध के दौरान मामूली गलती का विनाशकारी असर होता है।' हर्टलिंग अब टीवी चौनल सीएनएन के सैन्य विश्लेषक हैं। उनकी राय में दिए जा रहे टैंकों को चलाने का प्रशिक्षण सबसे अहम बात है।

नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में सीनियर रिसर्च फेलॉ ड्रयू थॉम्पसन ने कहा है कि युद्ध के दौरान खास पुर्जे नाकाम या क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें तुरंत बदलना पड़ता है। उन्होंने कहा– पेंटागन ऐसा करने में कुशल है, लेकिन यूक्रेन में टैंकों का इस्तेमाल यूक्रेन और अमेरिका दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम है।

कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, अगर उनमें से कुछ भी रूसी फौज नष्ट करने में सफल हुई, तो उसकी तस्वीरें दुनिया भर में जाएंगी और उससे रूस को प्रचार में आगे निकलने का बड़ा मौका मिलेगा।कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है और संभवतः उनसे ही यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी।

अमेरिकी सेना के फर्स्ट आर्मर्ड डिवीजन के कमांडर रह चुके मार्क हर्टलिंग ने कहा है– 'जो लोग कह रहे हैं कि यह या वो टैंक यूक्रेन को दे दो, वे शायद ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी नहीं देखा है कि टैंक को चलाया कैसे जाता है। युद्ध के दौरान मामूली गलती का विनाशकारी असर होता है।' हर्टलिंग अब टीवी चौनल सीएनएन के सैन्य विश्लेषक हैं। उनकी राय में दिए जा रहे टैंकों को चलाने का प्रशिक्षण सबसे अहम बात है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में सीनियर रिसर्च फेलॉ ड्रयू थॉम्पसन ने कहा है कि युद्ध के दौरान खास पुर्जे नाकाम या क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें तुरंत बदलना पड़ता है। उन्होंने कहा– पेंटागन ऐसा करने में कुशल है, लेकिन यूक्रेन में टैंकों का इस्तेमाल यूक्रेन और अमेरिका दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम है।

कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, अगर उनमें से कुछ भी रूसी फौज नष्ट करने में सफल हुई, तो उसकी तस्वीरें दुनिया भर में जाएंगी और उससे रूस को प्रचार में आगे निकलने का बड़ा मौका मिलेगा।कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है और संभवतः उनसे ही यूक्रेन को सबसे ज्यादा मदद मिलेगी।

अमेरिकी सेना के फर्स्ट आर्मर्ड डिवीजन के कमांडर रह चुके मार्क हर्टलिंग ने कहा है– 'जो लोग कह रहे हैं कि यह या वो टैंक यूक्रेन को दे दो, वे शायद ऐसे लोग हैं जिन्होंने कभी नहीं देखा है कि टैंक को चलाया कैसे जाता है। युद्ध के दौरान मामूली गलती का विनाशकारी असर होता है।' हर्टलिंग अब टीवी चौनल सीएनएन के सैन्य विश्लेषक हैं। उनकी राय में दिए जा रहे टैंकों को चलाने का प्रशिक्षण सबसे अहम बात है। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में सीनियर रिसर्च फेलॉ ड्रयू थॉम्पसन ने कहा है कि युद्ध के दौरान खास पुर्जे नाकाम या क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। उन्हें तुरंत बदलना पड़ता है। उन्होंने कहा– पेंटागन ऐसा करने में कुशल है, लेकिन यूक्रेन में टैंकों का इस्तेमाल यूक्रेन और अमेरिका दोनों के लिए एक बड़ा जोखिम है।

कुछ विश्लेषकों ने कहा है कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, अगर उनमें से कुछ भी रूसी फौज नष्ट करने में सफल हुई, तो उसकी तस्वीरें दुनिया भर में जाएंगी और उससे रूस को प्रचार में आगे निकलने का बड़ा मौका मिलेगा।कार के टैंक दिए जाते हैं, मेरी राय में उससे ज्यादा महत्त्वपूर्ण यह है कि यूक्रेन के सैनिकों को उन टैंकों का इस्तेमाल करने संबंधी सहायता कितनी दी जाती है।' ड्रॉमन्ड ब्रिटिश सेना के पूर्व अधिकारी भी हैं। उन्होंने राय जताई कि जो टैंक दिए जा रहे हैं, उनमें सिर्फ जर्मनी में लियोपार्ड्स ऐसे हैं, जिनका इस्तेमाल करना आसान है।

MEDIA NEWS
हम बनेंगे आपकी आवाज

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे कार्य करने हेतु लोगो की आवश्यकता है

संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता
जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016
उत्तर प्रदेश
9918366626 , 9140343290

नाबालिग को अगवा करने के आरोप में पुलिस ने भेजा जेल

कोंच(जालौन) नगर में नाबालिग किशोरी के साथ हुए कथित दुष्कर्म की पुष्टि नहीं होने के बाद आरोपी को पुलिस ने अगवा करने की धाराओं में जेल भेज दिया है। दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं भी पुलिस ने हटा दी हैं।

कोतवाली में दुष्कर्म सहित पॉक्सो एक्ट की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी जिसकी विवेचना कोतवाली के अतिरिक्त निरीक्षक वीरेंद्र सिंह कर रहे हैं। गत रोज मुखबिर की सूचना पर उन्होंने आरोपी अंकित कुशवाहा निवासी तिलक नगर कोंच को रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से न्यायिक हिरासत में उसे जिला कारागार भेज दिया गया है। विवेचक ने बताया कि अगवा की गई उक्त नाबालिग किशोरी ने अपने बयानों में कहा कि उसके साथ कोई दुष्कर्म नहीं हुआ और न ही कोई छेड़खानी की गई है। इस आधार पर दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं हटाकर आईपीसी की धारा 363, 366 में उसे जेल भेजा गया है। विदित हो कि नगर के मोहल्ला जवाहर नगर निवासी एक नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया था जिसमें छात्रा की दादी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर घटना के बाबत बताया था। इस तहरीर पर पुलिस ने आरोपी अंकित कुशवाहा निवासी तिलक नगर कोंच के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 तथा 3ध 4 पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की थी। विवेचक के मुताबिक किशोरी के साथ दुष्कर्म की पुष्टि नहीं हुई है।

एनएसएस कार्यशाला हुई आयोजित

कोंच(जालौन) शनिवार को सूरजज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. राघवेंद्र सिंह एवं डॉ सुरेंद्र सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र बोहरे ने की। स्वयंसेवकों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया व एन.एस.एस. का लक्ष्यगीत प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं लक्ष्य के बारे में स्वयंसेवकों को बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रोहित राठौर ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यप्रणाली एवं राष्ट्र तथा समाज के उत्थान में स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी।वहीं अतिथियों ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा की राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस की अहम भूमिका होती है। एन.एस.एस का स्वयंसेवक समाज जागृति का असली सैनिक होता है। स्वास्थ्य की चर्चा करते हुए कहा कि हमें अपनी दिनचर्या में बदलाव एवं भोजन को सही प्रकार से लेना चाहिए। अच्छा जीवन जीने के लिए स्वस्थ होना अति आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. बोहरे ने अध्यक्षीय उद्बोधन देकर कार्यशाला का समापन किया। महाविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के.के. सोनी ने आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा ने किया। कार्यशाला में शिक्षक डॉ सुनील मुदगिल, शैलेंद्र नगाइच, अजय स्वर्णकार, विकास ठाकुर, हरिओम तिवारी, दीपांकर गौतम, अनिल यादव, भरत, डॉ. हरिमोहन पाल, ज्योति चतुर्वेदी, मुकेश रायकवार सहित स्वयंसेवक दीक्षा, शालिनी, अंजली चौधरी, शालिनी पाल, मुस्कान जाटव, दीपाली, शिवांगी मिश्रा, खुशी सोनी, निशा राठौर, माधुरी, कोमल पटेल, ध्रुव निरंजन, आशीष, राज, मोहित आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम व सीओ की अगुवाई में भारी पुलिस बल ने किया फ्लैग मार्च

कोंच(जालौन)रू नगर के लोग उस समय पीएसी और पुलिस बल के बूटों की थाप से सहम उठे जब पीएसी और कोतवाली पुलिस बल ने संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च किया। मार्च का नेतृत्व एसडीएम कृष्ण कुमार सिंह व सीओ शैलेन्द्र कुमार सिंह, सीओ शैलेन्द्र कुमार वाजपेयी तथा कोतवाल नागेंद्र कुमार ने नगर में फ्लैग मार्च किया। कोतवाली से शुरू होकर मुख्य राजमार्ग पर होते हुए मार्च निकाला गया। एसडीएम ने कहा, फ्लैग मार्च का मकसद जहां आम जनता को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त करना है वहीं अराजक तत्वों को खुला संदेश देना है कि गड़बड़ी करने वालों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। इस दौरान अतिरिक्त निरीक्षक वीरेंद्र सिंह, खेड़ा चौकी प्रभारी सर्वेश कुमार सिंह, मंडी चौकी इंचार्ज सुनील कुमार सैनी, सागर चौकी इंचार्ज संजय सिंह पाल, खेड़ा चौकी इंचार्ज शिव शंकर सिंह, भेंड़ चौकी इंचार्ज शिव नारायण, एसआई सचिन शुक्ला, एसआई लालबहादुर यादव, एसआई मंसूर अंसारी आदि मौजूद रहे।

समाधान दिवस: दो थानों में आयीं ६ शिकायतें

कोंच(जालौन)रू तहसीलदार आलोक कुमार कटियार ने शनिवार को कोतवाली में आयोजित समाधान दिवस में पुलिस और राजस्व विभाग में बेहतर समन्वय की अपेक्षा जताते हुए कहा कि लोगों की राजस्व से जुड़ी समस्याओं के निराकरण के लिए मौके पर जाकर समस्या की प्रकृति समझें फिर उसका गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करें। माह के चौथे शनिवार को सर्किल के दो थानों में कुल 6 शिकायतें आईं जिनमें से 1 शिकायत का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया जबकि शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु टीमें बनाई गई हैं जो मौकों पर जाकर समस्या का निस्तारण करेंगी। कोतवाली में तहसीलदार आलोक कुमार कटियार की अध्यक्षता एवं प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र कुमार पाठक की मौजूदगी में समाधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमें आईं 4 शिकायतों में एक का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष को लेकर अधिकारियों ने अधीनस्थों को ताकीद की कि समस्याओं का ऐसा समाधान करें कि एक ही समस्या बार बार इस पटल पर न आने पाए। इस दौरान इंस्पेक्टर क्राइम वीरेंद्र सिंह, खेड़ा चौकी इंचार्ज सर्वेश कुमार, सदर लेखपाल अखिलेश कुमार, नगर पालिका से सेनेटरी इंस्पेक्टर हरिशंकर निरंजन आदि मौजूद रहे। नदीगांव थाने में आयोजित समाधान दिवस में 2 शिकायतें आईं। एसएचओ वीरेंद्र सिंह पटेल ने समस्याएं सुनी। कैलिया थाने में कितनी समस्याएं आईं इसकी जानकारी एसएचओ नरेंद्र प्रताप गौतम के फोन नहीं उठाने की आदत के कारण नहीं हो सकी।

बद्रीप्रसाद महाविद्यालय में विधायक ने बांटे स्मार्ट फोन, मेधावी प्रतिभाओं को किया सम्मानित

कोंच(जालौन) स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस के पावन मौके पर सेठ बद्रीप्रसाद महाविद्यालय में बीएलएड विभाग चतुर्थ वर्ष के 48 छात्रछात्राओं को शासन द्वारा प्रदत्त स्मार्टफोन का वितरण क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन ने करते हुए कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा युवाओं को शैक्षिक रूप से सशक्त एवं नई तकनीकियों से जोड़ने के लिए इस योजना का शुभारंभ किया गया है। इसका उपयोग अपनी शैक्षिक गतिविधियों में करें और नित नई सफलताएं अर्जित करें। बीएलएड चतुर्थ वर्ष में क्रमशः स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा गौरवी अग्निहोत्री, शिव्या गुर्जर,प्रतीक्षा झां,नम्रता को विधायक ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के डायरेक्टर आशुतोष हूंका ने की। मंच पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील लोहिया, वरिष्ठ भाजपा नेता सुनील शर्मा, पिरौना सहकारी समिति के अध्यक्ष अरविंद निरंजन बसोब, महाविद्यालय कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखरा अतिथियों के रूप में उपस्थित रहे। विधायक ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया।कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखरा ने विधायक समेत मंचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण और बैज अलंकरण कर स्वागत सम्मान किया। संचालन डॉ मृदुल दांतरे ने किया। आभार कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखरा ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

एनएसएस कार्यशाला हुई आयोजित

शनिवार को सूरजज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. राघवेंद्र सिंह एवं डॉ सुरेंद्र सिंह अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वीरेंद्र बोहरे ने की। स्वयंसेवकों ने सरस्वती वंदना व स्वागत गीत प्रस्तुत किया व एन.एस.एस. का लक्ष्यगीत प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रथम इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष कुमार मिश्रा ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य एवं लक्ष्य के बारे में स्वयंसेवकों को बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय इकाई के कार्यक्रम अधिकारी रोहित राठौर ने राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यप्रणाली एवं राष्ट्र तथा समाज के उत्थान में स्वयंसेवकों की भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी।वहीं अतिथियों ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा की राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस की अहम भूमिका होती है। एन.एस.एस का स्वयंसेवक समाज जागृति का असली सैनिक होता है। स्वास्थ्य की चर्चा करते हुए कहा कि हमें अपनी दिनचर्या में बदलाव एवं भोजन को सही प्रकार से लेना चाहिए। अच्छा जीवन जीने के लिए स्वस्थ होना अति आवश्यक है। प्राचार्य डॉ. बोहरे ने अध्यक्षीय उद्बोधन देकर कार्यशाला का समापन किया। महाविद्यालय के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी के.के. सोनी ने आभार व्यक्त किया। संचालन डॉ.आशुतोष कुमार मिश्रा ने किया। कार्यशाला में शिक्षक डॉ सुनील मुदगिल, शैलेंद्र नगाइच, अजय स्वर्णकार, विकास ठाकुर, हरिओम तिवारी, दीपांकर गौतम, अनिल यादव, भरत, डॉ.हरिमोहन पाल, ज्योति चतुर्वेदी, मुकेश रायकवार सहित स्वयंसेवक दीक्षा, शालिनी, अंजली चौधरी, शालिनी पाल, मुस्कान जाटव, दीपाली, शिवांगी मिश्रा, खुशी सोनी, निशा राठौर, माधुरी, कोमल पटेल, ध्रुव निरंजन, आशीष, राज, मोहित आदि उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पूरे विश्व में हरियाणवी कला एवं संस्कृति का परचम लहरा रहा : प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने नॉर्थ–वेस्ट जोन सांस्कृतिक प्रतियोगिताओ में रचा इतिहास। के यू बना उपविजेता।विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार केयू ने 27 विधाओं में आयोजित प्रतियोगिताओं में 18 जीती। एआईयू के तत्वावधान में महर्षि मार्कंडेश्वर डीम्ड विश्वविद्यालय में आयोजित।

कुरुक्षेत्र,। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने नॉर्थ–वेस्ट जोन सांस्कृतिक एवं कला प्रतियोगिताओं में इतिहास रचकर ओवर ऑल रनर–अप ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार केयू 27 विधाओं में से 18 प्रतियोगिताएं जीतकर उपविजेता बना है। एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में 24 से 28 जनवरी को महर्षि मार्कंडेश्वर डीम्ड विश्वविद्यालय, मुलाना में आयोजित 36 वें राष्ट्रीय विश्वविद्यालय की पांच दिवसीय सांस्कृतिक एवं कला प्रतियोगिताओं में भाग लेकर उपविजेता बना। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के इतिहास में पहली बार केयू ने नॉर्थ–वेस्ट जोन सांस्कृतिक प्रतियोगिता में जीते 18 प्रतियोगिताएं जीती। इस अवसर पर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने खुशी प्रकट करते हुए कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय पूरे विश्व में हरियाणवी कला एवं संस्कृति का परचम लहरा है। उन्होंने नॉर्थ–वेस्ट जोन में केयू का प्रतिनिधित्व करने वाले कलाकारों सहित युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक व पूरी टीम को बधाई दी। कुलपति प्रोफेसर सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय छात्र कलाकारों को उचित मंच प्रदान कर हरियाणवी संस्कृति एवं कला के विस्तार में महत्वपूर्ण भमिका अदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हरियाणा को ऐसे कलाकार दिए हैं जो आज देश–विदेश में कुवि एवं हरियाणा का नाम रोशन कर रहे हैं। कुवि कुलसचिव प्रो. संजीव शर्मा ने भी इस उपलब्धि के लिए विश्वविद्यालय के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग, कुवि सांस्कृतिक परिशद तथा सभी प्रतिभागी छात्र कलाकारों को बधाई दी।केयू के युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग के निदेशक डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि महर्षि मार्कंडेश्वर डीम्ड विश्वविद्यालय, मुलाना में आयोजित पांच दिवसीय सांस्कृतिक एवं कला प्रतियोगिताओं में विश्वविद्यालय के टीचिंग डिपार्टमेंट, एसडी महाविद्यालय व आर्य पीजी कॉलेज पानीपत के 49 छात्रों ने 27 विधाओं में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि नॉर्थ–वेस्ट जोन प्रतियोगिता में नृत्य, थियेटर, संगीत, लिट्रेरी एवं फाइन आर्ट्स की 27 विधाओं में 18 प्रतियोगिताएं जीतकर केयू ऑवर ऑल उपविजेता बना। उन्होंने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में राजस्थान, हरियाणा एवं दिल्ली राज्य के विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेन्द्र बबली, महर्षि मार्कंडेश्वर डीम्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एचके शर्मा, एआईयू के संयुक्त निदेशक डॉ. बलजीत सिंह शेखो, एआईयू निरीक्षक एके शर्मा, टीम मैनेजर डॉ. रामनिवास एवं डॉ हरविन्द्र राणा मौजूद थे।

इन प्रतियोगिताओं में किया कुवि का नाम रोशन।

डॉ. महासिंह पूनिया ने बताया कि नॉर्थ–वेस्ट जोन के इस कलाकारों के सांस्कृतिक एवं कला महाकुंभ में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने कलाकारों ने संगीत एवं थियेटर विधाओं में ओवरऑल ट्रॉफी ट्रॉफी जीतकर केयू को गौरवान्वित किया। वहीं क्लासिकल इंस्ट्रूमेंट सोलो, वेस्ट इंस्ट्रूमेंट सोलो में केयू का प्रतिनिधित्व कर रहे कलाकारों ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया।वेस्ट वोकल सोलो, वन एक्ट प्ले प्रतियोगिता, माइम तथा क्ले मॉडलिंग में केयू ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं क्लासिकल वोकल सोलो, लाइट वोकल इंडियन सोलो, प्रोसेशन, फॉक ट्राइबल डांस, फॉक ऑरकेस्ट्रा, क्लासिकल डांस, स्किट, मिमिक्री तथा भारतीय ग्रुप गायन व ऑन, फोटोग्राफी द स्पॉट पेंटिंग प्रतियोगिता में दूसरा स्थान व इंस्टॉलेशन में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

टीबी मुक्त भारत की दिशा में आगे बढ़ा जनपद

वर्ष 2025 तक क्षय (टीबी) मुक्त भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में सब नेशनल सर्टिफिकेशन 2023 (एसएनसी) एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जालौन में एसएनसीसर्वे के माध्यम से जिले में टीबी को लेकर चल रहे प्रयासों और उनके नतीजों को बारीकी से परखा गया। क्षय उन्मूलन के संकेतकों (इंडीकेटर) पर खरे उतरने वाले जिलों को स्वर्ण (गोल्ड), रजत और कांस्य की श्रेणी में स्थान दिया जायेगा। जालौन को कांस्य की श्रेणी में स्थान मिला था।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. डीके भिटौरिया ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट लेवल एनुवल सर्वे (डीएलएएस) के वालंटियर के सहयोग से जिले में दस टीमों ने सर्वे अभियान चलाया।इस दौरान टीम टीबी जांच की सुविधा, मरीजों के नोटिफिकेशन (सरकारीध्प्राइवेट), टीबी मरीजों की एचआईवी जाँच, निक्षय पोषण योजना के तहत भुगतान की स्थिति, प्राइवेट ड्रग सेल और मरीजों की संख्या में आ रही कमी की दर को बारीकी से परखा। जिला स्तरीय इस वार्षिक सर्वेक्षण में 10094 घरों में जाकर 42469 लोगों का सर्वे किया गया। इसमें संदिग्ध पाए 254 लोगों के बलगम की जांच की गई। इसमें तीन लोग पॉजिटिव पाए गए। सर्वे में 21 ऐसे गाँव थे जहाँ एक भी टीबी मरीज नहीं मिलाद्य सर्वे रिपोर्ट को इन्डियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) और डब्ल्यूएचओ इण्डिया के सहयोग से इन्डियन काउन्सिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) द्वारा इसका सत्यापन किया जाएगा। विश्व क्षय रोग दिवस 24 मार्च 2023 पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम के दौरान सफल जिलों को सम्मानित किया जाएगा।

टास्क फोर्स की टीम को 21 गांवों में नहीं मिला टीबी मरीज

नेशनल टास्क फोर्स के सदस्य डॉक्टर अशोक भारद्वाज, आल इंडिया प्रैविंटन एंड सोशल मेडिसन (आईएसपीएसएम) के स्टेट नोडल डॉक्टर मनीष, डब्ल्यूएचओ लखनऊ कंसलटेंट डॉ दिनेश बालिगा, एसएनसी डब्लूएचओ कंसलटेंट डाक्टर पवन पालीवाल ने जिले में 24 गांवों का सर्वे किया। इसमें 21 गांव टीबी मुक्त मिले। टीम के सदस्यों ने जनपद जालौन के नोडल अधिकारी डॉ विशाल, डॉ शैलेन्द्र कुमार, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉक्टर देवेंद्र कुमार भिटौरिया, चिकित्साधिकारी डॉ कौशल किशोर के प्रयासों की सराहना की। टीम ने टीबी रोकथाम को लेकर प्राइवेट चिकित्सकों एवं औषधि विक्रेताओं के साथ बैठक ली।

झुग्गी झोपड़ी
सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित सम्पादक संजय कुमार यादव
RNI No.: UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail: Jhuggijhopari@gmail.com
Website- www.Jhuggijhopari.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा